▸▸ वर्ष : 35 ▸▸ अंक : 18 ▸▸ मुंबई, बुधवार, 1 अप्रैल 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अब आया महिला राज : महापौर

मुंबई की महापौर रितू तावड़े ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि अब बीएमसी में सही मायने में 'महिला राज' आ गया है, क्योंकि महापौर और आयुक्त दोनों पदों पर महिलाएं आसीन हैं। उन्होंने घोषणा की कि नाला सफाई के काम की प्रगति के बारे में हर 15 दिन में मुंबईकरों को सूचित किया जाएगा। महापौर ने कहा कि मैं खुद और सभी नगरसेवक नाला सफाई की निगरानी के लिए फील्ड पर उतरेंगे। हमें आशावादी रहना चाहिए कि इस बार मुंबई नहीं डूबेगी।

महिला सुरक्षा और प्रशासनिक तालमेल

मुंबई की पहली महिला आयुक्त बनने पर उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुंबई महिलाओं के लिए एक सुरक्षित शहर है, यही कारण है कि यहां बड़ी संख्या में महिलाएं कामकाजी हैं। उन्होंने इस सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। इसके अलावा, उन्होंने लोकप्रतिनिधियों (पार्षदों) के साथ मिलकर काम करने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि जब साथ आते हैं, तभी असली विकास होता है। अश्विनी भिडे की पहचान एक सशक्त महिला अधिकारी के रूप में रही है। उन्होंने जिस कार्य को हाथ में लिया उसकी गति तीव्र हो गई। बीएमसी की पहली महिला कमिश्नर बनने पर उन्होंने पहले ही दिन मजबूत संदेश दिया।

बीएमसी की पहली महिला आयुक्त बनकर रचा इतिहास

अब मुंबई नहीं डूबेगी : अश्विनी भिडे

देवेंद्रनाथ जैसवार । मुंबई

मुंबई की पहली महिला कमिश्नर अश्विनी भिडे ने अपने पहले मीडिया संबोधन में एक सशक्त मैसेज देते हुए कहा की अब मुंबई नहीं डूबेगी। वे आधिकारिक तौर पर मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आयुक्त पद का कार्यभार संभालने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहीं थीं। निवर्तमान आयुक्त भूषण गगराणी ने उन्हें पदभार सौंपा। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. विपीन शर्मा, डॉ. अश्विनी जोशी, अभिजीत बांगर, डॉ. अविनाश ढाकणे और उपायुक्त प्रशांत गायकवाड सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस साल करेंगे बेहतरीन काम

भिड़े ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए महाराष्ट्र शासन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीएमसी की समृद्ध परंपरा का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अश्विनी भिडे ने विश्वास दिलाया कि आगामी मानसून में मुंबई नहीं डूबेगी। मानसून की तैयारियों और नाला सफाई के मुद्दे पर बोलते हुए नवनियुक्त आयुक्त ने कहा कि बीएमसी हमेशा से नाला सफाई का काम व्यवस्थित तरीके से करती आई है। पिछले कुछ वर्षों में मुंबई को 'फ्लड रेजिलिएंट' बनाने की दिशा में काफी काम हुआ है। उन्होंने मुंबईकरों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस साल भी बेहतरीन काम किया जाएगा और मैं यकीन दिलाती हूं कि इस बार मुंबई में जलभराव की समस्या नहीं होगी।

अश्विनी भिडे: एक नज़र में

31 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव

1995 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी अश्विनी भिडे के पास प्रशासन का लगभग 31 वर्षों का विशाल अनुभव है। उन्होंने अपने करियर में महाराष्ट्र सरकार के भीतर कई महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और विकास कार्यों को गति देने की क्षमता के कारण उन्हें शासन में एक कड़क और कार्यकुशल अधिकारी के रूप में जाना जाता है।

मेट्रो-कोस्टल रोड में भूमिका

1995 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी अश्विनी भिडे के पास प्रशासन का लगभग 31 वर्षों का विशाल अनुभव है। उन्होंने अपने करियर में महाराष्ट्र सरकार के भीतर कई महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और विकास कार्यों को गति देने की क्षमता के कारण उन्हें शासन में एक कड़क और कार्यकुशल अधिकारी के रूप में जाना जाता है।

बीएमसी से पुरानी पहचान

यह अश्विनी भिडे का बीएमसी में दूसरा बड़ा कार्यकाल है। इससे पहले वे 9 मई 2020 से 19 मार्च 2024 तक बीएमसी में अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (पूर्वी उपनगर) के पद पर कार्यरत थीं। विशेष रूप से, कोविड-19 महामारी के दौरान मुंबई में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की देखरेख में उनके पिछले अनुभव का लाभ अब पूरे शहर को आयुक्त के रूप में मिलेगा।

महाराष्ट्र में प्रशासनिक 'ओवरहॉल'

- 10 आईएएस अफसरों के तबादले
- लोकेश चंद्रा बने मुख्यमंत्री के नए एसीएस
- तुकाराम मुंढे का फिर तबादला, 21 साल में 24वीं बार ट्रांसफर

धीरज सिंह । मुंबई

राज्य सरकार ने मंगलवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए 10 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस फेरबदल में कई अहम विभागों और पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

विभागों में नई नियुक्तियां और जिम्मेदारियों का बंटवारा

मुंढे की जगह अब माणिक गुरसल को दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग का नया सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव विनिता वैद सिंगल को मृदा एवं जलसंरक्षण विभाग में भेजा गया है। उन्हें रोजगार गारंटी योजना विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इस बीच, मृदा एवं जलसंरक्षण विभाग के सचिव गणेश पाटील के सेवानिवृत्त होने के बाद यह बदलाव किया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय में बड़ा बदलाव

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (महावितरण) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा को मुख्यमंत्री का नया अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, मौजूदा अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भिड़े को मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) का आयुक्त बनाया गया है। उनके पास मुंबई मेट्रो रेल महामंडल के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी जारी रहेगा।

तुकाराम मुंढे का फिर तबादला, 8 महीने में बदली जिम्मेदारी

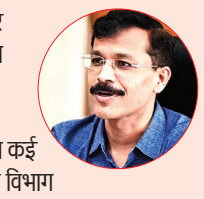

दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे का एक बार फिर तबादला कर दिया गया है। उन्हें अब आपदा प्रबंधन, राहत एवं पुनर्वसन विभाग का सचिव बनाया गया है। खास बात यह है कि 21 वर्षों के सेवाकाल में मुंढे का यह 24वां तबादला है। अगस्त 2025 में ही उन्हें दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जहां उन्होंने कई सख्त और महत्वपूर्ण फैसले लागू किए थे। मुंढे के कार्यकाल के दौरान विभाग में पारदर्शिता लाने के लिए कई कदम उठाए गए। फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र रखने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई, पंजीकृत संस्थाओं की मनमानी पर रोक, प्रमाणपत्रों की पुनः जांच और सरकारी नौकरियों में यूडीआईडी नंबर अनिवार्य करने जैसे फैसलों ने खासा असर डाला।

श्वेता सिंघल के तबादले पर फिलहाल रोक

सरकार ने आईएएस अधिकारी श्वेता सिंघल के तबादले पर फिलहाल रोक लगा दी है। 27 मार्च को उन्हें अमरावती के विभागीय आयुक्त पद से हटाकर महामुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। हालांकि, अब उन्हें नए पद का कार्यभार संभालने से रोक दिया गया है और आगे के आदेश तक इंतजार करने को कहा गया है।

अन्य महत्वपूर्ण नियुक्तियां और सेवानिवृत्ति

वसई-विरार महानगरपालिका के नए आयुक्त के रूप में पृथ्वीराज बी.पी. की नियुक्ति की गई है। मुंबई मनपा के आयुक्त भूषण गगरानी और वसई-विरार के आयुक्त एम.एम. सूर्यवंशी सेवानिवृत्त हो गए हैं। इसके अलावा, विकास चंद्रा रस्तोगी को वित्त विभाग (वित्तीय सुधार) में भेजा गया है, जबकि परिमल सिंह को कृषि विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। प्रेरणा देशभ्रतार को मत्स्य व्यवसाय आयुक्त और लहू माली को शिवशाही पुनर्वसन परियोजना का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है।

सुख और सुविधा के बीच फंसा जीवन

निगेटिव और प्वाजिटिव ऊर्जा का प्रभाव

दायित्वनामा

इधर ऊर्जा को लेकर चर्चाएं हैं। हर कोई सकारात्मक होना चाहता है। ऊर्जा के महत्व और जरूरत को दुनिया ने गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया के दौर में हर तरह का ज्ञान बह रहा है, इंसान के लिए ज्ञान इतनी मात्रा में इससे पहले कभी उपलब्ध नहीं रहा। हर कोई हर तरह के ज्ञान को आसानी से पा सकता है।

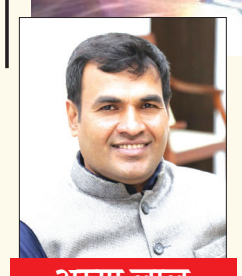

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

मानवता अपने अब तक के चरम पर है; मेहनत, श्रम और बौद्धिक क्षमता के बल पर कोई भी अपना जीवन बेहतरीन कर सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि मानवता अब तक के सबसे बेहतर समय में है, पर कोई समय पूर्ण नहीं होता। ऐसे में हमारे समय की सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोग निगेटिव ऊर्जा की चपेट में हैं। लोग सुख चाहते हैं, सुख के पीछे दौड़ लगाते हैं, पर निगेटिव ऊर्जा के चलते उनके हाथ सुख नहीं लगता।

अब हमें चर्चा करनी चाहिए कि क्या है निगेटिव और प्वाजिटिव ऊर्जा। प्वाजिटिव ऊर्जा वह शक्ति है, जो हमें मानसिक शांति, उत्साह और स्पष्टता प्रदान करती है। जब हम किसी ऐसे स्थान पर होते हैं या ऐसे लोगों से मिलते हैं जहाँ हमें सुरक्षित और खुश महसूस होता है, तो वह प्वाजिटिव ऊर्जा का प्रभाव है। निगेटिव ऊर्जा वह अदृश्य शक्ति है जो तनाव, चिड़चिड़ापन और थकान पैदा करती है। यह अक्सर हमारे नकारात्मक विचारों, ईर्ष्या, क्रोध या अव्यवस्थित वातावरण से उत्पन्न होती है।

अब हम इस बात पर आते हैं कि कैसे तैयार होती है यह ऊर्जा! अक्सर हम सभी को किसी स्थान पर जाते ही लगता है कि यहाँ से जल्द से जल्द निकल जाएं, और ऐसे भी स्थान होते हैं जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाता है। यही है प्वाजिटिव ऊर्जा। संसार में सबसे महत्वपूर्ण है विचार; आप जिस स्थान पर रहते हैं वहाँ किस तरह के विचार (वाइब्रेशन) मौजूद हैं, इससे स्थान की ऊर्जा का निर्माण होता है। जैसे वायुमंडल में हर तरह के विचार घूमते रहते हैं, जो विचार किसी स्थान पर ज्यादा समय तक रहते हैं, वे अपना असर स्थान और व्यक्ति पर छोड़ देते हैं।

अब हम आते हैं मुख्य विषय पर। 'हो जा जरा मतलबी' के गीत गाने के समय पर हर जीवन अपने को सुख से पाट देने में जुटा हुआ है। पर दुनिया भर के संसाधन जुटाने के बाद भी उसका खालीपन जाता नहीं है, सुख की तृष्णा बढ़ती ही जाती है। रात-दिन सुख बटोरने की होड़ में समझदार इंसान अपना जीवन समाप्त कर लेता है। ऐसे में हम यहाँ आपको यह बताना अपना दायित्व समझते हैं कि सुख स्वार्थ से नहीं, परमार्थ से मिलता है। परमार्थ के अलावा सुख का कोई साधन नहीं है। धन कमाना या संसाधन जुटाना कहीं से गलत नहीं है, पर यह सुविधा बढ़ाते हैं, सुख नहीं!

इंसान नकली परमार्थ करके सुख पाने की चालाकी भी करता है, पर नकली परमार्थ नकली सुख ही लौटाता है। इसलिए यदि हमें प्वाजिटिव ऊर्जा चाहिए तो हमें आत्मा को लालच, स्वार्थ, क्रोध, ईर्ष्या से बचाते हुए प्रेम, बंधुत्व, करुणा और कृतज्ञता की दिशा में बढ़ना चाहिए। यही आपके आसपास प्वाजिटिव ऊर्जा बढ़ाएगा।

ब्रीफ न्यूज़

बीसीसीआई इंजीनियर की मौत

मुंबई। आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच मुंबई से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां BCCI के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के रूप में काम कर रहे 76 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक इयान विलियम्स लैंगफोर्ड मृत पाए गए। वह दक्षिण मुंबई के एक होटल में ठहरे हुए थे और सोमवार को अपने कमरे में बेहोश हालत में मिले, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शुरुआती जांच में किसी तरह की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं, हालांकि मौत के कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

मंदिर में भगदड़, 8 महिलाओं की दबकर मौत

नालंदा। जिले के माता शीतला के मंदिर में अचानक भगदड़ मच गई है। इस भगदड़ में दबने से 8 महिलाओं की मौत हो गई है। 12 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि हर मंगलवार को शीतला माता मंदिर में पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगती है। आज चैत्र का अंतिम मंगलवार होने के कारण भीड़ काफी उमड़ी हुई थी। मंदिर में अचानक भगदड़ मच गई। भगदड़ के बाद लोग इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान कई महिलाएं भीड़ में हीं दब गईं और उनकी मौत हो गई। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ समेत जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हालांकि, यह भगदड़ क्यों मची? इसको लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

पेज 6 भी देखें

झिरवाल वीडियो कांड में 'हनीट्रैप'

▸▸ ट्रांसजेंडर के भाई के खिलाफ शिकायत दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर भूचाल आ गया है। इस बार राज्य के मंत्री और वरिष्ठ नेता नरहरि झिरवाल का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस की चौखट तक पहुँच गया है। मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन में इस संबंध में FIR दर्ज की गई है, जिसमें ब्लैकमेलिंग और साजिश के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मंत्री नरहरि झिरवाल का वीडियो वायरल होते ही प्रशासन और पुलिस एक्टिव हो गई है। मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन में एक ट्रांसजेंडर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 79 और 351(1) के साथ-साथ IT एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस की जांच शुरू

कफ परेड पुलिस अब इस मामले को साइबर क्राइम और ब्लैकमेलिंग के नजरिए से देख रही है। पुलिस की टेक्निकल टीम वीडियो की फॉरेंसिक जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि वीडियो कब बनाया गया और क्या इसमें वाकई कोई छेड़छाड़ हुई है।

नौकरी के बदले ब्लैकमेलिंग का आरोप

FIR में बेहद चौंकाने वाला दावा किया गया है। शिकायत के अनुसार, ट्रांसजेंडर के भाई ने फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन में सरकारी नौकरी दिलाने की मांग की थी। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर कथित वीडियो को वायरल करने की धमकी दी गई और दबाव बनाने की कोशिश की गई। शिकायतकर्ता और मंत्री समर्थकों का कहना है कि सोशल मीडिया पर जो वीडियो फैलाया जा रहा है, वह असली नहीं है।

रेडी-रेकनर दरें यथावत

2026-27 में नहीं होगी बढ़ोतरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य के रियल एस्टेट सेक्टर को राहत देते हुए महाराष्ट्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रेडी रेकनर (सर्कल रेट) में कोई बढ़ोतरी न करने का फैसला किया है। यह निर्णय आम नागरिकों पर संपत्ति खरीद-फरोख्त के दौरान अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम करने के उद्देश्य से लिया गया है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन और कंट्रोलर ऑफ स्टैम्प्स कार्यालय ने घोषणा की कि 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाली दरें 2025-26 के स्तर पर ही कायम रहेंगी। यह निर्णय राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद लिया। मंत्री बावनकुले ने कहा कि दरों को स्थिर रखने से संपत्ति खरीदने वाले लोगों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव नहीं पड़ेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर में लेन-देन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

क्या होती है रेडी-रेकनर दर?

रेडी रेकनर दर वह न्यूनतम संपत्ति मूल्य होता है, जिसे सरकार किसी क्षेत्र के लिए तय करती है। इसी आधार पर स्टैम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क की गणना की जाती है, जिससे कराधान में पारदर्शिता बनी रहती है।

16 मई से महाराष्ट्र में शुरू होगी जनगणना

30 लाख कर्मचारी स्मार्टफोन से जुटाएंगे डेटा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश की भविष्य की योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण 'जनगणना 2026' का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 16 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले इस देशव्यापी अभियान के तहत महाराष्ट्र में पहले चरण की प्रक्रिया 16 मई से 14 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएगी। कोविड-19 महामारी के कारण लंबे समय से लंबित यह राष्ट्रीय अभियान इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक होने वाला है, क्योंकि यह पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा। इस जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता 'स्व-गणना' का विकल्प है। नागरिक 1 मई से 15 मई 2026 के बीच एक सुरक्षित वेब-आधारित पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

गूगल सर्च रिपोर्ट

औसत भारतीय हर महीने खर्च कर रहा है 31 GB डेटा

एआई का 'डिजिटल दिमाग' डकार रहा आपका डाटा

एजेंसी । नई दिल्ली

अगर आपको लग रहा है कि आपका 1.5जीबी या 2जीबी का डेली डाटा पैक आजकल जल्दी खत्म हो रहा , तो दोष सिर्फ रील देखने या यूट्यूब को मत दीजिए। असल में, आपके मोबाइल के भीतर बैठा 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) का दिमाग अब आपके डाटा को डकार रहा है। नोकिया की ताजा रिपोर्ट (एमबीआईटी 2025) ने पहली बार यह चौंकाने वाला खुलासा किया है कि भारत में डाटा खपत बढ़ने की सबसे बड़ी वजह अब सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एआई ऐप्स और क्लाउड गेमिंग हैं। एक साधारण गूगल सर्च के मुकाबले, किसी एआई चैटबॉट (जैसे चैट जीपीटी या जैमिनी) से एक सवाल पूछने में लगभग 10 गुना ज्यादा डाटा और प्रोसेसिंग पावर खर्च होती है। यही वजह है कि जैसे-जैसे हम 'स्मार्ट' हो रहे हैं, हमारा डाटा पैक 'दुबला' होता जा रहा है।

31 जीबी की 'डिजिटल डाइट'

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में एक औसत भारतीय हर महीने 31 जीबी डाटा इस्तेमाल कर रहा है। पिछले साल यह आंकड़ा 27.5 जीबी था। यानी हर भारतीय अब रोज लगभग 1जीबी डाटा खर्च कर रहा है, लेकिन समझने वाली बात यह है कि यह डेटा जा कहां रहा है?

5जी का बढ़ता दबदबा

नोकिया की रिपोर्ट कहती है कि देश के कुल मोबाइल ट्रैफिक में 47% हिस्सेदारी अब 5जी की है। बजट 5जी फोन की बाढ़ ने गांव-गांव तक 'सुपरफास्ट' इंटरनेट पहुंचा दिया है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार बन चुका है।

कैसे 'दिमाग' खाता है डाटा?

अब तक हम इंटरनेट का इस्तेमाल सिर्फ 'देखने' (स्ट्रीमिंग) के लिए करते थे, लेकिन अब हम 'सोचने' (प्रोसेसिंग) के लिए कर रहे हैं।

इसे इन दो तरीकों से समझिए:

- **एआई से 'बनवाना' बनाम 'देखना':** जब आप किसी एआई टूल से कहते हैं कि मेरे लिए एक पेंटिंग बनाओ या इस फोटो को वीडियो में बदल दो, तो वह टूल बैकग्राउंड में हजारों पिक्सल्स को प्रोसेस करता है। एक साधारण वीडियो चलाने के मुकाबले एआई से कुछ 'नया बनवाना' कई गुना ज्यादा डाटा खर्च करता है।
- **क्लाउड गेमिंग का 'रिमोट दिमाग':** आजकल भारी भरकम गेम्स आपके फोन की मेमोरी में नहीं, बल्कि दूर किसी सर्वर के 'दिमाग' में चलते हैं। आपका फोन सिर्फ एक स्क्रीन की तरह काम करता है। गेम का हर एक्शन (जैसे गोली चलाना या मुड़ना) रियल-टाइम में प्रोसेस होकर वापस आता है, जो डेटा की भारी खपत करता है।

उल्हासनगर मनपा का 1504 करोड़ का संशोधित बजट पास

छात्रवृत्ति नामकरण पर सदन में तीखी बहस

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका की आयुक्त मनीषा आव्हाळे ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 997.23 करोड़ रुपये का मूल बजट बुधवार को महासभा में पेश किया था। हालांकि, देर रात तक चली गहन चर्चा के बाद, इस बजट को लगभग 500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1504 करोड़ रुपये के रूप में सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। इस बजट में शहर के बुनियादी ढांचे से लेकर शिक्षा तक कई बड़े प्रावधान किए गए हैं।

छात्राओं के लिए नई छात्रवृत्ति योजना और नाम पर विवाद

महापौर अश्विनी निकम ने इस बजट में कक्षा 7वीं से 12वीं तक की छात्राओं के लिए 500 रुपये प्रति माह की छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की। हालांकि, इस योजना को पूर्व विधायक स्वर्गीय ज्योति कलानी का नाम देने पर भाजपा ने कड़ा विरोध जताया। भाजपा नेता राजेश वधारिया ने मांग की कि इस योजना का नाम महान शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखा जाए, जबकि शिवसेना पार्षदों ने ज्योति कलानी के योगदान का हवाला देते हुए फैसले का बचाव किया।

बुनियादी ढांचे और शिक्षा के लिए भारी आवंटन

राजेश वधारिया ने बजट की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि शिक्षा बोर्ड के लिए 50 करोड़ रुपये, डॉग शेल्टर के लिए 5 करोड़ रुपये और झुलेलाल मार्केट के लिए 1 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, नगर पालिका स्कूलों में सौर पैनल लगाने, पार्कों के सौंदर्यीकरण और सड़कों के कंक्रीटीकरण के लिए भी विशेष निधि का प्रावधान किया गया है।

अग्निशमन और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण

सदन के नेता अरुण अशान ने प्रस्ताव दिया कि बहुमंजिला इमारतों में आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग को 8 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक वाहन उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, अस्पतालों के लिए 2 करोड़ रुपये और श्मशान घाटों में आधुनिक सुविधाएं विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा गया, ताकि नागरिकों को मूलभूत सेवाओं के लिए भटकना न पड़े।

नए स्विमिंग पूल और खेल सुविधाओं की मांग

शहर के कैंप 4 और 5 के निवासियों के लिए नए स्विमिंग पूल की मांग जोर-शोर से उठाई गई। भाजपा पार्षद शेरी लुंड ने कहा कि वर्तमान में केवल कैंप 3 में एक पूल है, जो निजी हाथों में है। भारिप पार्षद विकास खरात ने सुझाव

समाज मंदिरों के दुरुपयोग पर पार्षदों की चिंता

महासभा के दौरान समाज मंदिरों (कम्युनिटी हॉल) के किराये और उनके उपयोग को लेकर भी तीखी बहस हुई। भाजपा पार्षद मीना आयलानी ने 500 रुपये किराये के मुद्दे पर अपनी बात रखी, जिसका समर्थन मीना सोंडे और जमनू पुरस्वानी ने किया। वहीं, महेश सुखरामानी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि योग केंद्रों का उपयोग बंद कर वहां देर रात तक डीजे बजाना और शराब पार्टियां करना शुरू कर दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है।

कुर्ला बस हादसा

आरोपी ड्राइवर को हाई कोर्ट से राहत, मिली जमानत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कुर्ला रेलवे स्टेशन के पास हुए दर्दनाक बस हादसे के करीब 15 महीने बाद आरोपी बेस्ट बस चालक संजय मोरे को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति आर.एम. जोशी की एकल पीठ ने 30 मार्च को उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। दिसंबर 2024 में हुए इस हादसे में 9 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 37 अन्य घायल हुए थे।

क्या था कुर्ला बस हादसा?

9 दिसंबर 2024 को कुर्ला रेलवे स्टेशन के पास एक इलेक्ट्रिक बेस्ट बस अचानक अनियंत्रित हो गई थी। बस ने कई पैदल यात्रियों और वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे 22 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस मामले में पुलिस ने संजय मोरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था, जिसमें गैर-इरादतन हत्या जैसे गंभीर आरोप शामिल थे। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि यह मामला गैर-इरादतन हत्या का नहीं, बल्कि लापरवाही से हुई मौत का है। उन्होंने बताया कि ड्राइवर को अनुबंध के अनुसार 7 दिन की ट्रेनिंग मिलनी चाहिए थी, लेकिन उसे केवल 3 दिन की सीमित ट्रेनिंग दी गई। साथ ही, फॉरेंसिक रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि हादसे के समय ड्राइवर नशे में नहीं था। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी पिछले 15 महीनों से जेल में है और ट्रायल अभी शुरू नहीं हुआ है, जिसमें 96 गवाहों के बयान दर्ज होने हैं।

कोर्ट ने क्या कहा?

हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया यह घटना 'लापरवाही' की श्रेणी में अधिक प्रतीत होती है। अदालत ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि अक्टूबर में आरोप तय होने के बावजूद अभी तक एक भी गवाह की जांच नहीं हुई है। लंबी न्यायिक प्रक्रिया और आरोपी की हिरासत को देखते हुए कोर्ट ने जमानत मंजूर कर ली। इससे पहले सत्र न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी। RTO रिपोर्ट के अनुसार बस में किसी प्रकार की तकनीकी खराबी या ब्रेक फेल होने की बात सामने नहीं आई थी, जिसके आधार पर निचली अदालत ने राहत देने से इनकार कर दिया था।

वरिष्ठ निरीक्षक और एएसआई पर रिश्वतखोरी का आरोप

एसीबी की तहरीर पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मीरा-भाईंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) यातायात पुलिस में भ्रष्टाचार का गंभीर मामला सामने आया है, जहां विभाग की ही एक महिला पुलिस कर्मी ने वरिष्ठ अधिकारियों पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। मामले में मुंबई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने काशीमीरा पुलिस थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, मीरा-भाईंदर यातायात शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सागर इंगोले और सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) गोलार पर रिश्वत मांगने के आरोप लगे हैं।

एसीबी में दर्ज कराई शिकायत

पीड़ित महिला ने 5 सितंबर को एसीबी के पास शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों से यह सामने आया कि गोलार, निरीक्षक इंगोले के निर्देश पर रिश्वत मांग रहा था। एसीबी के सहायक पुलिस आयुक्त दयानंद विट्ठल सावंत की शिकायत पर 30 मार्च को काशीमीरा पुलिस थाने में निरीक्षक सागर इंगोले और गोलार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सुगम ड्यूटी के बदले मांगे पैसे

महिला पुलिस कांस्टेबल ने आरोप लगाया है कि निरीक्षक इंगोले ने उसे आसान ड्यूटी देने के बदले हर महीने 15,000 रुपये की मांग की। आरोप है कि इंगोले के करीबी गोलार ने 3 सितंबर 2025 को शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये की मांग की, जिसमें 15,000 रुपये इंगोले के लिए और 5,000 रुपये स्वयं तथा अन्य स्टाफ के लिए बताए गए।

पॉड टैक्सी परियोजना का जल्द होगा शिलान्यास

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर में प्रस्तावित पॉड टैक्सी परियोजना को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा संकेत दिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम चल रहा है और घोड़बंदर क्षेत्र में जल्द ही इसका शिलान्यास किया जाएगा। ठाणे महानगरपालिका में नवीनीकरण किए गए हाउस लीडर कार्यालय और पहली मंजिल पर बने आधुनिक प्रेस रूम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर मेयर शर्मिला पिंपोलकर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकारों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रेस रूम

नए प्रेस रूम के उद्घाटन के बाद उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। उन्होंने कोविड जैसी आपदा के दौरान पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से ठाणे मनपा में आधुनिक सुविधाओं से युक्त बड़ा प्रेस रूम तैयार किया गया है, जिसमें महिला पत्रकारों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था भी की गई है। उपमुख्यमंत्री ने कमिश्नर सौरभ राव को कम समय में प्रेस रूम का कार्य पूरा करने के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि प्रेस रूम में सर्वसाधारण सभा की कार्यवाही सुनने के लिए आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभा नेता के रूप में चयनित हनमंत जगदाले के कक्ष का हाल ही में नवीनीकरण किया गया था। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में अपने कार्यालय का कार्यभार संभाला, जिससे मनपा के प्रशासनिक कामकाज को नई गति मिलने की उम्मीद है।

शहर के विकास कार्यों पर जोर

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि ठाणे शहर तेजी से विकसित हो रहा है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम जारी है। सड़क चौड़ीकरण, ठाणे-बोरीवली सुरंग जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के साथ अब पॉड टैक्सी योजना भी शहर के यातायात ढांचे को मजबूत करेगी। शिंदे ने जानकारी दी कि घोड़बंदर इलाके में पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट की नींव जल्द रखी जाएगी। यह परियोजना ठाणे में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुगम और आधुनिक बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

जहरीले नाग ने तीन कुत्तों को कटा, मौत

कल्याण। कल्याण पश्चिम के गांधारी परिसर से एक बेहद डरावनी और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पिछले कई दिनों से एक स्थानीय गैरेज में छिपे एक अत्यंत जहरीले नाग ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी। इस नाग के डसने से इलाके के तीन आवारा कुत्तों की दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, यह नाग गांधारी स्थित एक पुराने गैरेज में छिपकर बैठा था। पिछले कुछ दिनों में इसने वहां घूमने वाले तीन कुत्तों पर अचानक हमला कर दिया। नाग के घातक जहर के कारण तीनों कुत्तों की हालत बिगड़ी और कुछ ही समय में उन्होंने दम तोड़ दिया। एक के बाद एक तीन कुत्तों की मौत से इलाके में खलबली मच गई, जिससे नागरिकों को संदेह हुआ कि आसपास कोई जहरीला जीव मौजूद है। इलाके में नाग होने की पुष्टि होते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत सर्पमित्र दत्ता बोंबे को सूचित किया। दत्ता बोंबे ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद नाग को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि यह नाग काफी विशाल और अत्यधिक विषैला था।

लिटिल आर्यन्स प्री,के का भव्य वार्षिक उत्सव संपन्न

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

लिटिल आर्यन्स प्री-के, नांदिवली और चक्कीनाका का वार्षिक उत्सव शनिवार, 28 मार्च 2026 को कल्याण स्थित आचार्य प्रल्हाद केशव अत्रे रंगमंदिर में धूमधाम से आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में 460 विद्यार्थियों, 865 से अधिक अभिभावकों, शिक्षकों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। आयोजन में बच्चों की प्रतिभा, भावनात्मक अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मूल संदेश "जब आप अपनी भावनाओं को समझते हैं, तब आप स्वयं को समझते हैं" रहा। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से भावनाओं, संवेदनाओं और सामाजिक मूल्यों को प्रभावी ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विशिष्ट अतिथियों ने बढ़ाई कार्यक्रम की शोभा

इस अवसर पर डॉ. रसिका रामचंद्र ठाकुर (मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल, कल्याण) और श्री हार्दिक पराग शुक्ला (गायक एवं क्लिनिकल रिसर्चर) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय आधुनिकता के साथ-साथ संस्कृति और मूल्यों को भी संजोए हुए है। आर्य ग्लोबल ग्रुप ऑफ स्कूल्स के वरिष्ठ नेतृत्व और प्रमुखों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। इस दौरान सभी ने बच्चों की उपलब्धियों और उनके विकास के हर पड़ाव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

संस्थापक के भावुक संदेश ने छुआ दिल

कार्यक्रम के दौरान संस्थापक भारत मलिक ने बच्चों की प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब दुनिया संघर्ष और हिंसा से जूझ रही है, ऐसे में ये नन्हे बच्चे हमें शांति, करुणा और मानवता से भरी दुनिया की ओर प्रेरित करते हैं। उनके संदेश के बाद पूरा सभागार शांति के समर्थन में खड़ा हो गया, जो एक भावनात्मक और प्रेरणादायक क्षण बन गया।

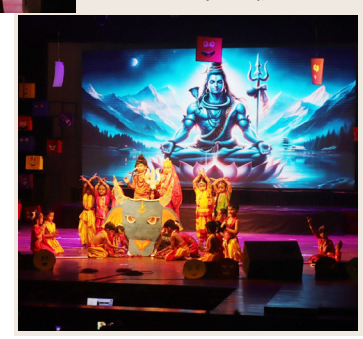

शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों पर जोर

लिटिल आर्यन्स प्री-के की सीईओ सपना उपल ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे केवल मंच पर प्रदर्शन नहीं कर रहे, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण पाठ भी सीख रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सच्ची खुशी देने में है, न कि पाने में, और यही शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार है। पूरा कार्यक्रम एक शानदार और यादगार सफलता के साथ संपन्न हुआ। यह केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का मंच नहीं था, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और बच्चों के समग्र विकास का उत्सव था। आयोजन ने लिटिल आर्यन्स प्री-के के दृष्टिकोण और मूल्यों को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

उल्हासनगर के मध्यवर्ती अस्पताल में अव्यवस्था

एमएनएस ने दी आंदोलन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

शहर के मध्यवर्ती अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीटी स्कैन और सोनोग्राफी केंद्र पिछले आठ-दस दिनों से बंद होने के कारण खासकर गरीब मरीजों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अस्पताल में सीटी स्कैन और सोनोग्राफी सेवाएं बंद होने से मरीजों को निजी जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीज इन महंगी जांचों का खर्च वहन नहीं कर पा रहे हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के जिला अध्यक्ष बंदू देशमुख ने जिला सर्जन मनोहर बंसोडे से मुलाकात कर स्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल का दर्जा होने के बावजूद यहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

ओपीडी में भीड़, डॉक्टरों की कमी

अस्पताल में उल्हासनगर, कर्जत, कसारा और ठाणे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से रोज हजारों मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण ओपीडी में भारी भीड़ रहती है। पैथोलॉजी विभाग में भी कर्मचारियों की कमी से सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। एमएनएस ने अस्पताल प्रशासन से तत्काल एमआरआई सुविधा शुरू करने, केस पेपर काउंटरों की संख्या बढ़ाने, कम से कम तीन एम्बुलेंस और एक शव वाहन उपलब्ध कराने की मांग की है। पार्टी ने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने और मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले डॉक्टरों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि कई डॉक्टर मरीजों को इलाज के बजाय ठाणे या मुंबई रेफर कर देते हैं। बंदू देशमुख सहित अन्य पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अस्पताल प्रशासन जल्द सुधार नहीं करता है, तो एमएनएस गरीब मरीजों के हक के लिए कड़ा आंदोलन छेड़ेगी।

मासूम पर जानलेवा हमला करने वाला रिक्शा चालक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | पालघर

जिले के वसई इलाके में एक मामूली विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया, जहां चार साल के मासूम बच्चे पर जानलेवा हमला करने वाले रिक्शा चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घायल बच्चे का इलाज मीरा रोड के वोकहार्ड अस्पताल में जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी संदीप पवार और पीड़ित बच्चे के पिता अतुल कोंढारे के बीच कुछ दिन पहले मामूली विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते आरोपी गुस्से में था और उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

खेलते समय मासूम को बनाया निशाना

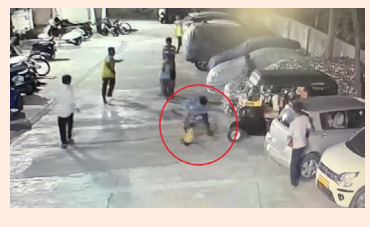

सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे सोसाइटी परिसर में बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान चार वर्षीय विघ्नेश एक रिक्शा में जाकर बैठ गया। तभी आरोपी मौके पर पहुंचा और अन्य बच्चों को भगा कर विघ्नेश को निशाना बनाया। आरोपी ने बच्चे का सिर रिक्शा के लोहे के एंगल से दे मारा। इसके बाद उसने बच्चे को पैरों से पकड़कर खींचा और हवा में उछालकर जमीन पर पटक दिया, जिससे बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद बच्चे को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे खून की उल्टी हुई। बाद में उसे मीरा रोड के वोकहार्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

आरोपी गिरफ्तार, नहीं जताया पछतावा

वसई पुलिस ने आरोपी संदीप पवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को अपने कृत्य पर कोई पछतावा नहीं है और उसने कहा कि उसने अपना बदला ले लिया।

पुलिस की गिरफ्त में फरार छिनैतीबाज

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

एमबीवीवी क्राइम ब्रांच यूनिट 4 ने छिनैती के मामले में फरार अपराधी मोहसिन अंसारी को मध्य प्रदेश के धार जिले से गिरफ्तार कर लिया है।काशीगांव पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, 10 मार्च 2026 को सुबह करीब सात बजे अहमदाबाद-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित फाउंटेन होटल के सामने एक अधेड़ उम्र की महिला पैदल चल रही थी। इसी दौरान एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार उसके गले से दो तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्राइम ब्रांच यूनिट 4 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद बडाख के नेतृत्व में एक टीम गठित कर समानांतर जाँच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान

जाँच के दौरान सीसीटीवी फुटेज के तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय सूत्रों की मदद से आरोपी की पहचान मोहम्मद मोहसिन लायक अहमद अंसारी (उम्र 23 वर्ष, निवासी लल्लूभाई कंपाउंड, गोवंडी, मुंबई) के रूप में हुई। टीम को सूचना मिली कि आरोपी को मध्य प्रदेश पुलिस ने किसी अन्य मामले में पकड़ा है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने 28 मार्च को मध्य प्रदेश के धार जिले स्थित कुक्षी पुलिस थाने से मोहसिन अंसारी को अपनी हिरासत में ले लिया।

पेशेवर अपराधी

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद बडाख ने जानकारी देते हुए बताया कि मोहसिन एक पेशेवर अपराधी है। उसके खिलाफ मुंबई के विभिन्न पुलिस थानों में कुल 14 गंभीर मामले दर्ज हैं। अभियुक्त से पूछताछ के दौरान मीरा-भाईंदर सहित मुंबई और ठाणे जिले के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज 7 अनसुलझे मामलों में भी उसकी संलिप्तता पाई गई है।

प्रताड़ना से तंग युवक ने दी जान

ठाणे। जिले के भिवंडी इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां 30 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर सास और नानी सास की मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से परेशान होकर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार युवक को अपनी मां से मिलने से रोका जाता था और उसके साथ मारपीट की जाती थी, यहां तक कि 13 मार्च को उसे सड़क पर पीटते हुए मां के घर तक घसीटा गया। अगले दिन फिर प्रताड़ित किए जाने के बाद युवक ने अपनी मां को फोन कर जहर पीने की बात कही। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 15 मार्च को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में 30 मार्च को मृतक की मां की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर अलर्ट हुए उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने संगठन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने 1 और 2 अप्रैल को राज्यभर के जिला संपर्क प्रमुखों की बैठक बुलाकर पार्टी की रणनीति को धार देने की तैयारी की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह बैठक दो चरणों में आयोजित की जाएगी। 1 अप्रैल को मराठवाड़ा, पश्चिम विदर्भ और पूर्व विदर्भ के जिला संपर्क प्रमुखों के साथ चर्चा होगी। वहीं, 2 अप्रैल को उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र और कोंकण के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की जाएगी। बैठकों में उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे दोनों मिलकर राज्यभर के राजनीतिक हालात और संगठन की स्थिति का आकलन करेंगे। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों की जमीनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

खुद संभाली कमान, जिला संपर्क प्रमुखों की बैठक बुलाई

संगठन मजबूती पर रहेगा फोकस

हाल ही में शिवसेना भवन में हुई बैठक में भी उद्धव ठाकरे ने जिला प्रमुखों और मुंबई के नगरसेवकों को संगठन सशक्त करने के निर्देश दिए थे। खासतौर पर निकाय चुनावों में मिली हार के बाद पार्टी ग्रामीण से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

निकाय चुनावों के बाद पहली संयुक्त समीक्षा

निकाय चुनावों के बाद यह पहला मौका होगा जब आदित्य ठाकरे, उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर पूरे राज्य की राजनीतिक स्थिति और संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा करेंगे। इससे पार्टी के आगामी चुनावी रणनीति को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

बालासाहेब ठाकरे जन्मशताब्दी पर कार्यक्रमों की तैयारी

शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर पार्टी की ओर से राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की निगरानी की जिम्मेदारी मुंबई के नगरसेवकों को सौंपी गई है, ताकि संगठनात्मक स्तर पर गतिविधियों को गति दी जा सके।

गैस सिलेंडर कालाबाजारी का आरोप

फर्जी बुकिंग-डिलीवरी का मामला उजागर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश में गैस की किल्लत के बीच मुंबई में गैस सिलेंडर की कथित कालाबाजारी और फर्जी डिलीवरी का गंभीर मामला सामने आया है। सूचना अधिकार कार्यकर्ता शकील अहमद शेख ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है, जिससे उपभोक्ता अधिकारों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, 26 मार्च 2026 को गैस बुक करने के प्रयास के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि उनके नाम पर 24 मार्च को ही सिलेंडर की डिलीवरी दर्ज की जा चुकी है। इसके चलते उन्हें अगली बुकिंग 20 अप्रैल के बाद करने की बात कही गई। जांच में सामने आया कि 27 जनवरी और 26 फरवरी को देर रात बुकिंग दिखाकर महज डेढ़ घंटे के भीतर डिलीवरी दर्ज कर दी गई। यह पैटर्न संदेह को और गहरा करता है।

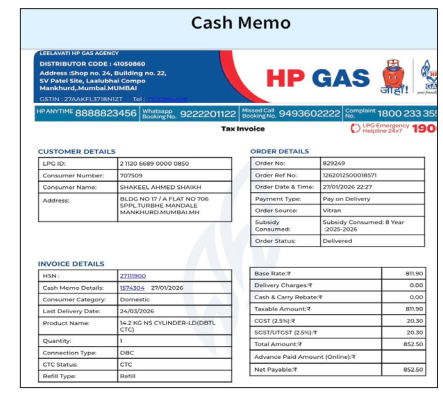

Cash Memo

LEELAVATI HP GAS AGENCY
DISTRIBUTOR CODE : 41050860
Address :Shop no. 24, Building no. 22, SV Patel Site, Laalubhai Compo Mankhurd, Mumbai.MUMBAI

HP GAS

HP ANYTIME 8888823456 | Whatsapp Booking No. 9222201122 | Missed Call Booking No. 9493602222 | Complaint No. 1800 233 3555

Tax Invoice

CUSTOMER DETAILS

LPG ID:	2 1120 6689 0000 0850
Consumer Number:	707509
Consumer Name:	SHAKEEL AHMED SHAIKH
Address:	BLDG NO 17 / A FLAT NO 706 SPPL.TURBHE MANDALE MANKHURD.MUMBAI.MH

ORDER DETAILS

Order No:	829249
Order Ref No:	1262012500018571
Order Date & Time:	27/01/2026 22:27
Payment Type:	Pay on Delivery
Order Source:	Vitran
Subsidy Consumed:	Subsidy Consumed: 8 Year :2025-2026
Order Status:	Delivered

INVOICE DETAILS

HSN :	27111900
Cash Memo Details:	1574304 27/01/2026
Consumer Category:	Domestic
Last Delivery Date:	24/03/2026
Product Name:	14.2 KG NS CYLINDER-LD(DBTL CTC)
Quantity:	1
Connection Type:	DBC
CTC Status:	CTC
Refill Type:	Refill

Base Rate:₹	811.90
Delivery Charges:₹	0.00
Cash & Carry Rebate:₹	0.00
Taxable Amount:₹	811.90
CGST (2.5%):₹	20.30
SGST/UTGST (2.5%):₹	20.30
Total Amount:₹	852.50
Advance Paid Amount (Online):₹	
Net Payable:₹	852.50

एजेंसी पर कालाबाजारी के आरोप

शिकायत में लीलावती गैस एजेंसी पर आरोप लगाया गया है कि वह फर्जी बुकिंग दिखाकर सिलेंडरों की कालाबाजारी कर रही है। यह भी आशंका जताई गई है कि सिलेंडर खुले बाजार में बेचे जा रहे हैं। इस मामले में ट्रॉम्बे पुलिस थाना और एचपी गैस कंपनी को शिकायत दी गई है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

6 महीनों से नहीं मिली गैस

शकील शेख का दावा है कि उन्होंने पिछले छह महीनों में कोई सिलेंडर बुक नहीं किया और न ही उन्हें कोई डिलीवरी मिली, इसके बावजूद उनके नाम पर लगातार बुकिंग और डिलीवरी दर्ज की जा रही है।

एटीएम ठगी का पर्दाफाश

- 14 साल से सक्रिय शातिर आरोपी गिरफ्तार
- गुंजन बनकर करता था ठगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एटीएम के बाहर लोगों को मदद के बहाने फंसाकर उनके खाते से पैसे उड़ाने वाले एक शातिर ठग को दिंडोशी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 14 वर्षों से मुंबई, ठाणे और ओडिशा में इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के अनुसार, 20 फरवरी 2026 को मलाड पूर्व निवासी 72 वर्षीय बुजुर्ग स्टेट बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान आरोपी ने मदद के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल लिया और खाते से 40,000 रुपए निकाल लिए।

2 महीने तक चली जांच

पीड़ित की शिकायत के बाद दिंडोशी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। करीब दो महीनों तक 60-70 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और तकनीकी जांच व गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। पुलिस ने सम्पत कुमार कृष्णा आचार्य (35) को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 25 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड, दो मोबाइल फोन और ठगी से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की गई है।

कई थानों में दर्ज हैं मामले

जांच में सामने आया कि आरोपी ने दिंडोशी, कस्तूरबा और कुरार पुलिस थाना क्षेत्रों में कई वारदातों को अंजाम दिया है। अन्य मामलों की भी जांच जारी है।आरोपी खुद को 'गुंजन' नाम से परिचित कराता था और एटीएम के बाहर खड़े होकर बुजुर्गों या अनजान लोगों को निशाना बनाता था। बातचीत के दौरान वह कार्ड बदल देता और बाद में पैसे निकालकर फरार हो जाता था।

गांव-गांव तक पहुंचेगी कांग्रेस

- 72 जिलाध्यक्ष और 750 तालुका अध्यक्ष संभालेंगे कमान

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मंगलवार को मुंबई के तिलक भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने 'संगठन सृजन अभियान' के जरिए राज्य में खुद को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का बिगुल फूंक दिया है। बैठक में विजय वडेट्टीवार, बाळासाहेब थोरात, सांसद प्रणिती शिंदे और सचिन सावंत जैसे कद्दावर नेताओं की मौजूदगी ने साफ कर दिया कि कांग्रेस आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह 'इलेक्शन मोड' में आ चुकी है। युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एससी-एसटी विभागों के खाली पदों को भी जल्द भरने के निर्देश दिए गए हैं।

विदेश नीति की विफलता का नतीजा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि खाड़ी देशों के तनाव के बीच भारत में जो ईंधन की किल्लत दिख रही है, वह केंद्र की मोदी सरकार की विफल विदेश नीति का परिणाम है। भाजपा अपनी गलतियों का ठीकरा विपक्ष पर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से भागने की कोशिश कर रही है।

'खरात मामले ने सरकार को खोखला कर दिया'

हर्षवर्धन सपकाल ने 'बाबा कांड' पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह मामला महायुति सरकार की जड़ें हिला चुका है। उन्होंने दावा किया कि यौन शोषण के 58 से ज्यादा वीडियो होने की बात सामने आ रही है, लेकिन गृह विभाग केवल चुनिंदा वीडियो ही लीक कर रहा है। सपकाल ने सवाल पूछा कि खरात के सीए के पास मिली बेहिसाब संपत्ति आखिर किसकी है? क्या यह किसी बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है? देश में पेट्रोल और एलपीजी के लिए लगी लंबी कतारों पर मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराने पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। सपकाल ने कहा कि अफवाह कांग्रेस नहीं फैला रही, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद संसद में 'कोरोना जैसी स्थिति' का जिक्र कर जनता के मन में लॉकडाउन का डर पैदा किया है।

'संगठन वर्ष' की शुरुआत

कांग्रेस ने तय किया है कि इस साल को 'संगठन वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। इसके तहत 72 जिलाध्यक्ष और 750 तालुका अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राष्ट्रीय नेता जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे और 1 मई तक अंतिम रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। लक्ष्य साफ है—कांग्रेस को केवल शहरों तक सीमित न रखकर हर ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर तक ले जाना।

दादा के सपनों को आगे बढ़ाना सबकी जिम्मेदारी: तटकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने मंगलवार को कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि 'दादा' (अजीत पवार) की सोच और संकल्पना वाली पार्टी को मजबूती से आगे बढ़ाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। तटकरे ने स्पष्ट किया कि पार्टी का भविष्य सुरक्षित है और किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर संगठन को आगे ले जाएंगे और आने वाली चुनौतियों का मजबूती से सामना करेंगे।

उन्होंने अजीत पवार के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके दृढ़ संकल्प और मेहनत ने पार्टी की ताकत को साबित किया। एनडीए के साथ रहते हुए उन्होंने संगठन की क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। तटकरे ने बताया कि लोकसभा चुनाव की चुनौतियों के बावजूद अजीत पवार ने विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को नए आत्मविश्वास के साथ पुनर्गठित किया। इसका परिणाम यह रहा कि पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 72 प्रतिशत का प्रभावशाली स्ट्राइक रेट हासिल किया। उन्होंने कहा कि 'दादा' के निधन से पार्टी भावनात्मक रूप से प्रभावित है और कार्यकर्ताओं में शोक का माहौल है। ऐसे समय में सभी को एकजुट रहकर उनके विचारों को आगे बढ़ाना होगा।

सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में आगे बढ़ने की अपील

तटकरे ने अपने 35 वर्षों के संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि अब पार्टी को राष्ट्रीय अध्यक्षा सुनेत्रा अजीत पवार के नेतृत्व में आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए तटकरे ने कहा कि पार्टी संविधान और कानूनी पहलुओं पर प्रवक्ता सूरज चव्हाण पहले ही स्पष्ट जानकारी दे चुके हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी के सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाएंगे और विकास की दिशा में काम जारी रहेगा।

सायन अस्पताल में लगी भीषण आग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के सायन अस्पताल में मंगलवार को भीषण आग लगने से मरीजों और स्टाफ में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। बीएमसी के अनुसार, पांच मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर स्थित ओपीडी के बीपीएमएस लेक्चर रूम में आग लगी, जो बिजली की वायरिंग, इंस्टॉलेशन, स्प्लिट एसी, लकड़ी के फर्नीचर, ऑफिस रिकॉर्ड और फॉल्स सीलिंग तक सीमित रही। सूचना मिलते ही दमकल विभाग मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पा लिया, लेकिन धुएं के कारण एहतियातन ओपीडी के मरीजों और स्टाफ को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया।

आरटीओ दफ्तरों पर रिक्शा चालकों का हल्ला बोल

- 8 अप्रैल को पूरे राज्य में विशाल मोर्चे का आह्वान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों ने सरकार की नई नीतियों और आरटीओ की 'कथित' सख्ती के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। 'ऑटोरिक्षा चालक-मालक संगठन संयुक्त कृति समिति' ने 8 अप्रैल 2026 को पूरे राज्य में विशाल मोर्चे का आह्वान किया है। रिक्शा चालक पिछले 20 वर्षों से अपने लिए एक स्वतंत्र कल्याणकारी मंडल (Welfare Board) की मांग कर रहे थे। सरकार ने 'धर्मवीर आनंद दिघे साहेब महाराष्ट्र ऑटो रिक्शा और मिटर्ड टैक्सी चालक कल्याणकारी मंडल' की स्थापना तो कर दी, लेकिन संगठनों का आरोप है कि इसमें पंजीकरण के लिए 500 रुपए प्रवेश शुल्क और 300 रुपए सालाना शुल्क थोप दिया गया है, जो आर्थिक तंगी झेल रहे चालकों पर

अतिरिक्त बोझ है। सबसे बड़ा विवाद आरटीओ कार्यालयों की कार्यशैली को लेकर है। आरोप है कि जो चालक इस मंडल में रजिस्ट्रेशन नहीं करा रहे हैं, उनके परमिट रिन्यूअल और गाड़ी पासिंग जैसे जरूरी काम रोक दिए गए हैं। कृति समिति इसे पूरी तरह गैरकानूनी और चालकों के हक का हनन बता रही है। कृति समिति के अध्यक्ष शशांक राव का कहना है कि सरकार ने इस मंडल के नियम तय करते समय किसी भी प्रमुख रिक्शा संगठन के प्रतिनिधियों से बात नहीं की। बिना किसी चर्चा के शुल्क लागू करना और फिर उसे अनिवार्य बनाना लोकतंत्र के खिलाफ है। अपनी मांगों को लेकर चालकों ने 23 मार्च को परिवहन मंत्री और आयुक्त को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी के विरोध में 8 अप्रैल (बुधवार) को सुबह 11 बजे से मुंबई के अंधेरी आरटीओ सहित राज्य के सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों पर हजारों की संख्या में चालक मोर्चा निकालेंगे।

क्या हैं प्रमुख मांगें?

- कल्याणकारी मंडल में पंजीकरण की अनिवार्य शर्त तुरंत हटाई जाए।
- पंजीकरण शुल्क (Fees) को खत्म या बेहद कम किया जाए।
- मंडल के कामकाज में वास्तविक रिक्शा संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए।
- आरटीओ द्वारा परमिट और पासिंग रोकने की अवैध कार्रवाई बंद हो।

तेज रफ्तार कार की टक्कर में बुजुर्ग महिला की मौत, दो घायल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे 65 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दो महिलाएं ऑटो से जा रही थी, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला व ऑटो चालक घायल हो गए।

पार्टी तोड़ने के लिए 5 करोड़ का पैकेज दिया: चव्हाण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) के प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रोहित पवार और शरद पवार गुट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी में फूट डालने और वरिष्ठ नेताओं की छवि खराब करने के लिए कथित तौर पर 5 करोड़ रुपए की 'सुपारी' दी गई है। चव्हाण ने दावा किया कि कुछ पदाधिकारियों को बाकायदा पेरोल पर रखा गया है, जिनका काम पार्टी के खिलाफ झूठा प्रचार करना और निराधार आरोप लगाना है। उन्होंने इसे संगठन को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश करार दिया। विपक्षी गुट द्वारा उठाए गए सवालों पर जवाब देते हुए चव्हाण ने स्पष्ट किया कि पार्टी के संविधान में किसी भी प्रकार का बदलाव

नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ओबीसी, अल्पसंख्यक और सामाजिक न्याय से जुड़े विभाग पहले भी 'सेल' के रूप में कार्यरत थे और आज भी उसी तरह काम कर रहे हैं।

रोहित पवार को दी नसीहत

रोहित पवार पर निशाना साधते हुए चव्हाण ने कहा कि उन्हें पहले अपने गुट के विधायकों और सांसदों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सोलापुर और मोहोल का उदाहरण देते हुए कहा कि कई नेता अलग-अलग बैनर के तहत काम कर रहे हैं, जिसे संभालना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। चव्हाण ने अंत में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि पार्टी और उसके नेतृत्व पर इस तरह के निराधार आरोप जारी रहे, तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इसका करारा जवाब देगी। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा अजीत पवार पार्टी में अनुशासन बनाए रखने में सक्षम हैं।

'निर्वाचन आयोग में अधूरी जानकारी देने का आरोप'

चव्हाण ने आरोप लगाया कि विरोधी गुट ने निर्वाचन आयोग को सौंपे गए दस्तावेजों में जानबूझकर महत्वपूर्ण प्रावधानों को छिपाया है। उन्होंने कहा कि 'कलम 28' में इन सभी वर्गों का स्पष्ट उल्लेख है, जिसे सामने नहीं लाया गया।

मध्य रेल

निविदा सूचना

मध्य रेलवे के मुंबई मंडल ने सभी पीएमएस उपकरणों (थिनक्लाइंटमॉनीटर और कीबोर्डकेसाथ -06, डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर-07, बार कोड प्रिंटर-04, एचएचटी-05, एचएचटी मिनी-प्रिंटर-05, वजन मशीन-05 (एलटीटी), 01 (डीआर), 01 (पीएनवीएल), 01 (टीएनए)) हेतु समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (CAMC) के लिए www.gem.gov.in पर ई-टेंडरिंग मॉड्यूल के माध्यम से 02 वर्षों की अवधि के लिए निविदा आमंत्रित की है। इच्छुक बोलीदाताओं को बोली प्रक्रिया में भाग लेना आवश्यक है और सभी आवश्यक दस्तावेज बोली खुलने से पहले अपलोड करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे विवरण जानने के लिए वेबसाइट www.gem.gov.in पर जाएं। खुला निविदा - GeM संख्या: GeM/2026/B/7398358 **कार्य का नाम:** सभी पीएमएस उपकरणों {थिनक्लाइंट मॉनीटर और कीबोर्ड के साथ -06, डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर-07, बार कोड प्रिंटर-04, एचएचटी-05, एचएचटी मिनी-प्रिंटर-05, वजन मशीन-05 (एलटीटी), 01 (डीआर), 01 (पीएनवीएल), 01 (टीएनए) हेतु समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध. **कार्यालय का पता:** डीआरएम कार्यालय, वाणिज्यिक शाखा, मुंबई मंडल, प्रथमतल, आरक्षण केंद्र, सीएसएमटी, मुंबई-400001. **कार्यस्थल:** लोकमान्यतिलकटर्मिनस, दादर, पनवेल और ठाणे स्टेशन, मुंबई डिवीजन स्टेशन, मुंबई मंडल **विज्ञापित मूल्य:** Rs. 10,51,488/- **निविदा का प्रकार:** एकल पैकेट प्रणाली **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 17.04.2026 को 19:00 बजे **कार्यकाल:** 02 वर्ष. **प्रस्तावों की वैधता:** 90 दिन **वेबसाइट पर निविदा दस्तावेज उपलब्ध है:** https://gem.gov.in/ विषय निविदा के संबंध में आगे कोई शुद्धिपत्र/संशोधन, निविदा वापस लेना, तारीख में बदलाव, समय विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर ही अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए। 1042

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-प्रोक्योरमेंट संशोधन दिनांक: 27.03.2026, टेंडर नोटिस संख्या TRACK MACHINES-TIMS दिनांक 13-02-2026 के संबंध में। टेंडर संख्या (E-Office File No.): W641-22-23-06C (E-434312)। जिसमें टेंडर **बंद होने की तिथि एवं समय** 31.03.2026 के स्थान पर **17.04.2026** पढ़ा जाए। **अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।** 1277

Like us on: facebook.com/WesternRly

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु अनुरोध - MRVC/W/144

(एक लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"MUTP-III के अंतर्गत विरार-दहानू सेक्शन के बीच हाई-मास्ट का क्रय (वारंटी अवधि के दौरान डिजाइन, विनिर्माण, आपूर्ति, मल्टीपल लोडिंग/अनलोडिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग)।"** हेतु ई--निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **05.05.2026, दोपहर 15.00** बजे तक है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।**

संपादकीय

अश्विनी भिड़े : नेतृत्व विश्वास और नई उम्मीदें

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई को पहली बार एक महिला कमिश्नर के रूप में अश्विनी भिड़े का नेतृत्व मिलना न केवल प्रशासनिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के प्रतीक के रूप में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह नियुक्ति उस बदलते भारत की झलक है, जहां नेतृत्व की कसौटी लिंग नहीं, बल्कि क्षमता, पारदर्शिता और परिणाम देने की योग्यता बन चुकी है। अश्विनी भिड़े का कार्यशैली सख्ती और संवेदनशीलता का संतुलित मिश्रण रही है। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकालों में यह सिद्ध किया है कि प्रशासन केवल आदेश देने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के जीवन में ठोस सुधार लाने की प्रक्रिया है। चाहे वह आधारभूत संरचना के विकास की बात हो या शहरी समस्याओं के समाधान की, उनका दृष्टिकोण हमेशा स्पष्ट, समयबद्ध और परिणामोन्मुख रहा है। वे निर्णय लेने में तत्पर हैं, लेकिन साथ ही जमीनी वास्तविकताओं को समझने पर भी विशेष ध्यान देती हैं। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि धरातल पर साकार होती हैं। देवेन्द्र फ़डनवीस का उन पर विश्वास भी यूं ही नहीं है। एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भिड़े ने अपनी ईमानदारी, कार्यकुशलता और दृढ़ संकल्प से बार-बार यह साबित किया है कि वे कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी निर्णय ले सकती हैं। मुख्यमंत्री के लिए यह भरोसा महत्वपूर्ण है कि जिस अधिकारी को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, वह न केवल नीतियों को समझे, बल्कि उन्हें सफलतापूर्वक लागू भी कर सके। भिड़े की यही क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। हालांकि, यह जिम्मेदारी चुनौतियों से रहित नहीं है। मुंबई जैसे महानगर की समस्याएं बहुआयामी हैं—यातायात का दबाव, बढ़ती जनसंख्या, आधारभूत सुविधाओं पर भार, पर्यावरणीय संकट और शहरी नियोजन की जटिलताएं। इसके साथ ही, एक महिला होने के नाते उन्हें सामाजिक अपेक्षाओं और पूर्वाग्रहों का भी सामना करना पड़ सकता है। लेकिन यह भी सत्य है कि उनकी नियुक्ति स्वयं इन पूर्वाग्रहों को तोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन चुनौतियों के बीच उनसे जो उम्मीदें जुड़ी हैं, वे भी कम नहीं हैं। नागरिकों को उनसे पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की अपेक्षा है। वे चाहते हैं कि शहर की बुनियादी समस्याओं का समाधान तेज गति से हो और योजनाओं में निरंतरता बनी रहे। साथ ही, महिलाओं की सुरक्षा, स्वच्छता और शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार जैसे मुद्दों पर भी उनसे विशेष ध्यान की आशा की जा रही है। अश्विनी भिड़े का अब तक का रिकॉर्ड यह संकेत देता है कि वे इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने की क्षमता रखती हैं। उनका नेतृत्व न केवल प्रशासनिक सुधार लाएगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि यदि अवसर मिले, तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। मुंबई को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जो केवल समस्याओं को देखे नहीं, बल्कि उन्हें हल करने का साहस और दृष्टि भी रखे। अश्विनी भिड़े में यह दोनों गुण स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उनकी नियुक्ति न केवल एक प्रशासनिक निर्णय है, बल्कि एक सकारात्मक संकेत है कि भारत का शहरी शासन अब अधिक समावेशी, सक्षम और दूरदर्शी बन रहा है। आने वाले समय में उनका कार्यकाल निश्चय ही मुंबई के विकास की नई दिशा तय करेगा और अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगा।

सहज योग 'आज का महायोग': चेतना की नई दिशा

धीरज सिंह
समाचार संपादक

> मन अधिक शांत, स्थिर और केंद्रित बनता है। इसके साथ ही, शारीरिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं, क्योंकि शरीर के ऊर्जा केंद्र संतुलित होने लगते हैं। भावनात्मक स्तर पर व्यक्ति अधिक संयमित और सकारात्मक बनता है, जिससे उसके संबंधों में भी सुधार आता है। आत्मसाक्षात्कार के बाद व्यक्ति में निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जो उसे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफल बनने में सहायता करता है। सहज योग की एक विशेषता यह भी है कि यह आध्यात्म और विज्ञान के बीच एक सेतु का कार्य करता है।

आधुनिक युग में जहां एक ओर विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं दूसरी ओर मानसिक तनाव, असंतुलन और आंतरिक रिक्तता भी तेजी से बढ़ी है। ऐसे समय में आध्यात्मिक मार्ग की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। सहज योग, जिसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी ने 1970 में की, आज के युग में आत्मसाक्षात्कार का एक सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इसी के अंतर्गत "आज का महायोग" एक ऐसी अवधारणा है, जो न केवल व्यक्तिगत उत्थान बल्कि समग्र मानवता के चेतनात्मक विकास का संकेत देती है। "महायोग" का सामान्य अर्थ आत्मा और परमात्मा का मिलन माना जाता है, परंतु सहज योग के संदर्भ में इसका अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। यह चेतना के एक नए स्तर में प्रवेश है, जहां मनुष्य अपने भीतर स्थित दिव्य शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव करता है।

"आज का महायोग" इसलिए विशेष है क्योंकि यह अवसर किसी दूर भविष्य में नहीं, बल्कि वर्तमान क्षण में उपलब्ध है। यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर घटित हो सकती है, यदि वह स्वयं को इसके लिए खोल दे। सहज योग का मूल आधार कुंडलिनी शक्ति है, जिसे मानव शरीर में स्थित एक सुप्त आध्यात्मिक ऊर्जा के रूप में समझा जाता है। यह शक्ति जब जागृत होती है, तो सात प्रमुख चक्रों से होकर ऊपर उठती है और अंततः सहस्रार चक्र पर पहुंचकर आत्मसाक्षात्कार की अवस्था प्रदान करती है। यह अनुभव केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष और अनुभवजन्य होता है, जिसे साधक अपने हाथों और मस्तिष्क में शीतल चैतन्य के रूप में महसूस करता है। यही अनुभव सहज योग की प्रामाणिकता का आधार बनता है। "आज के महायोग" की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसकी सामूहिकता है। पारंपरिक साधनाओं में जहां व्यक्ति अकेले साधना करता है, वहीं सहज योग में सामूहिक ध्यान का विशेष महत्व है। जब अनेक लोग एक साथ ध्यान करते हैं, तो एक सामूहिक चेतना का निर्माण होता है, जो न केवल व्यक्तिगत विकास को गति देता है, बल्कि समाज में एकता और सद्भाव को भी प्रोत्साहित करता है। यह दृष्टिकोण आज के विभाजित और संघर्षपूर्ण विश्व में अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि यह जाति, धर्म और भाषा के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को एक सूत्र में बांधने का प्रयास करता है। आधुनिक जीवन की चुनौतियों के बीच "आज का महायोग" एक संतुलन प्रदान करता है। नियमित ध्यान के माध्यम से मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी आती है। मन अधिक शांत, स्थिर और केंद्रित बनता है। इसके साथ ही, शारीरिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं, क्योंकि शरीर के ऊर्जा केंद्र संतुलित होने लगते हैं। भावनात्मक स्तर पर व्यक्ति अधिक संयमित और सकारात्मक बनता है, जिससे उसके संबंधों में भी सुधार आता है। आत्मसाक्षात्कार के बाद व्यक्ति में निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जो उसे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफल बनने में सहायता करता है। सहज योग की एक विशेषता यह भी है कि यह आध्यात्म और विज्ञान के बीच एक सेतु का कार्य करता है। विभिन्न शोधों में यह पाया गया है कि ध्यान के नियमित अभ्यास से मस्तिष्क की गतिविधियों में सकारात्मक परिवर्तन होते हैं। अल्फा तरंगों में वृद्धि, तनाव हार्मोन में कमी और ध्यान क्षमता में सुधार जैसे परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं कि "आज का महायोग" केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी समर्थित प्रक्रिया है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन, जो इस महायोग के माध्यम से आता है, वह है आंतरिक परिवर्तन। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात व्यक्ति के दृष्टिकोण में गहरा बदलाव आता है। वह अधिक विनम्र, सहनशील और करुणामय बनता है। उसके भीतर दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना विकसित होती है। जीवन के प्रति उसका नजरिया सकारात्मक और संतुलित हो जाता है। यह परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि भीतर से उत्पन्न होता है, जो स्थायी और प्रभावी होता है। सहज योग की सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। इसमें न तो जटिल आसनों की आवश्यकता है और न ही कठिन तपस्या की। यह हर व्यक्ति के लिए सुलभ है, चाहे वह किसी भी आयु, धर्म या सामाजिक पृष्ठभूमि का हो। यही कारण है कि "आज का महायोग" एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन का रूप ले चुका है।"आज का महायोग" एक नई आध्यात्मिक क्रांति का प्रतीक है। यह हमें यह समझने की प्रेरणा देता है कि हम केवल शरीर या मन नहीं, बल्कि एक शुद्ध आत्मा हैं, जिसके भीतर असीम शक्ति और ज्ञान निहित है। आज जब संसार बाहरी उपलब्धियों के पीछे भाग रहा है, तब यह महायोग हमें अपने भीतर झांकने और अपनी वास्तविक पहचान को जानने का अवसर देता है। यदि मानवता को एक शांत, संतुलित और आनंदमय भविष्य की ओर बढ़ना है, तो "आज का महायोग" निस्संदेह एक सशक्त और सार्थक मार्ग प्रस्तुत करता है।

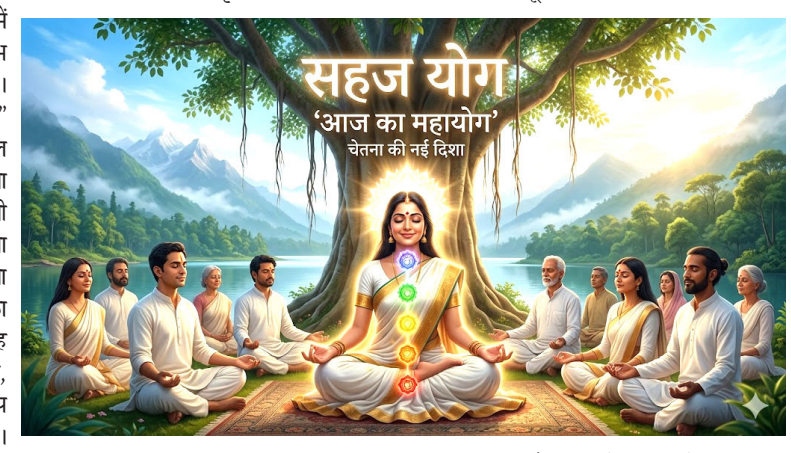

हमारी गीता

अर्जुन का प्रश्न

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

कुरुक्षेत्र का रण केवल शस्त्रों का युद्ध नहीं था, वह मन और विवेक का भी महासंग्राम था। एक ओर लाखों योद्धाओं की गर्जना थी, तो दूसरी ओर अर्जुन के अंतःकरण में उठता गहरा द्वंद्व। यही वह क्षण था, जब एक महान योद्धा के हाथ से गांडीव ढीला पड़ गया और जीवन का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न सामने खड़ा हो गया। अर्जुन का प्रश्न केवल यह नहीं था कि युद्ध करना चाहिए या नहीं। उसके भीतर का द्वंद्व कहीं अधिक गहरा था। उसे हार का भय नहीं था, क्योंकि वह एक अपराजेय योद्धा था। उसका असली प्रश्न था— "इन स्वजनों को मारकर प्राप्त राज्य का मैं क्या करू?" अर्थात वह बाहरी विजय नहीं, बल्कि आंतरिक श्रेय और परम पुरुषार्थ की तलाश में था। यह प्रश्न किसी भ्रमित मन का नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और शुद्ध अंतःकरण से उत्पन्न हुआ था। अर्जुन का युद्ध से विमुख होना कायरता का परिणाम नहीं था। वह अनेक युद्धों में विजयी रह चुका था और उसकी वीरता पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता। कुरुक्षेत्र में उपस्थित अठारह अक्षौहिणी सेना के बीच खड़ा होकर भी वह भयभीत नहीं था। उसकी समस्या बाहरी शत्रु नहीं, बल्कि भीतर उठ रही भावनात्मक उलझन थी। भगवान श्रीकृष्ण ने उसे कठोर शब्दों में झकझोरा, "क्लैब्य" और "कश्मल" जैसे शब्दों का प्रयोग किया, परंतु अर्जुन की स्थिति केवल उपदेश से

बदलने वाली नहीं थी। यह संघर्ष वीरता और अहिंसा के बीच का नहीं था, बल्कि मोह और कर्तव्य के बीच का था। उसकी वीरवृत्ति समाप्त नहीं हुई थी, बल्कि मोह ने उसकी कर्तव्यनिष्ठा पर पर्दा डाल दिया था। मनुष्य का स्वभाव है कि जब अपने प्रियजन सामने होते हैं, तो वह अपने कर्तव्य को भी तर्कों के माध्यम से ढकने लगता है। जैसे एक न्यायाधीश सैकड़ों अपराधियों को दंड दे सकता है, पर जब उसका अपना पुत्र कटघरे में खड़ा होता है, तो वही दंड उसे अमानवीय लगने लगता है। यही मोह की शक्ति है— जो सत्य को भी धुंधला कर देती है।

शख्सियत — हिन्द की चादर

गुरु तेग बहादुर जी का जीवन और बलिदान

भारतीय इतिहास के पन्नों में गुरु तेग बहादुर जी का नाम ऐसे महापुरुष के रूप में अंकित है, जिन्होंने मानवीय मूल्यों, वैचारिक स्वतंत्रता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्हें 'हिन्द की चादर' के सम्मानजनक नाम से पुकारा जाता है, क्योंकि उनका बलिदान केवल एक विशिष्ट समुदाय के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता और विश्वास की स्वतंत्रता के लिए था।

गुरु तेग बहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल 1621 को अमृतसर के पवित्र शहर में हुआ था। वे सिखों के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब जी के सबसे छोटे पुत्र थे। उनके बचपन का नाम त्याग मल था, परंतु मात्र 13 वर्ष की आयु में मुगल सेना के विरुद्ध युद्ध में उनके द्वारा दिखाए गए अद्भुत शौर्य और तलवारबाजी के कौशल को देखकर उनके पिता ने उन्हें 'तेग बहादुर' यानी 'तलवार का धनी' नाम दिया। यद्यपि वे एक महान योद्धा थे, किंतु उनका स्वभाव अत्यंत शांत, गंभीर और वैरागी था। अपने पिता के ज्योति-जोत समाने के पश्चात, उन्होंने लगभग 20 वर्षों तक बाबा बकाला में एकांत साधना और कठिन तपस्या की। इसी आध्यात्मिक गहराई के कारण 1664 में उन्हें सिखों के नौवें गुरु के रूप में गुरुगद्दी प्राप्त हुई। गुरु जी का कार्यकाल मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल के दौरान था, जो अपनी कट्टरपंथी धार्मिक नीतियों के लिए जाना जाता था। उस समय पूरे उत्तर भारत में भय का वातावरण था और लोगों का जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। विशेष रूप से कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार अपनी चरम सीमा पर थे। इसी संकट की घड़ी में पंडित कृपा राम के नेतृत्व में कश्मीरी पंडितों का एक बड़ा दल आनंदपुर साहिब में गुरु जी के पास सहायता मांगने पहुँचा। गुरु तेग बहादुर जी ने उनकी करुण पुकार सुनी और अत्यंत गंभीर होकर विचार किया कि इस समय किसी महान आत्मा के बलिदान की आवश्यकता है। उनके नौ वर्षीय पुत्र, बालक गोविंद राय (बाद में गुरु गोविंद सिंह जी) ने जब अपने पिता से इस गंभीरता का कारण पूछा और यह जाना कि किसी महापुरुष की शहादत ही इन लोगों को बचा सकती है, तो उन्होंने निर्भीकता से कहा कि आपसे बड़ा महापुरुष इस समय और कौन हो सकता है। अपने पुत्र के इन शब्दों से प्रेरित होकर गुरु जी ने कश्मीरी पंडितों के माध्यम से औरंगजेब को यह संदेश भिजवाया कि यदि वह गुरु तेग बहादुर का धर्म परिवर्तन करा सके, तो वे सभी स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार कर लेंगे। यह सीधे तौर पर अत्याचारी शासन को दी गई एक नैतिक चुनौती थी। इसके पश्चात गुरु जी अपने तीन प्रिय शिष्यों—भाई मति दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी के साथ दिल्ली की ओर प्रस्थान कर गए। उन्हें मार्ग में ही गिरफ्तार कर लिया गया और दिल्ली लाकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। औरंगजेब ने उन्हें डराने और उनके संकल्प को तोड़ने के लिए उनके शिष्यों को उनके सामने ही अत्यंत क्रूरता के साथ शहीद कर दिया, परंतु गुरु जी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। अंततः 11 नवंबर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक में काजी ने फतवा पढ़ा और जल्लाद ने गुरु जी का शीश धड़ से अलग कर दिया। जहाँ उनका पावन बलिदान हुआ, आज वहाँ भव्य 'गुरुद्वारा शीश गंज साहिब' स्थित है। गुरु जी का यह बलिदान 'सीस दीया पर सिरड़ न दीया' के सिद्धांत का प्रतीक बना। उनकी वाणी, जो गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज है, आज भी हमें 'भय काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन' का संदेश देती है, जिसका अर्थ है—न किसी को डराओ और न ही किसी के डर को स्वीकार करो।

जीवन ऊर्जा

ओटो वॉन बिस्मार्क : जन्म : 1 अप्रैल 1815 — जन्म

> ओटो वॉन बिस्मार्क का जन्म 1 अप्रैल 1815 को जर्मनी के शॉनहाउसन में हुआ था। उन्हें 'लौह चांसलर' (Iron Chancellor) के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने अपनी अद्भुत कूटनीति और 'रक्त और लोहे' (Blood and Iron) की नीति से बिखरे हुए जर्मन राज्यों को एकजुट कर एक शक्तिशाली जर्मन साम्राज्य की स्थापना की।

दृढ़ संकल्प ही राष्ट्र का आधार है

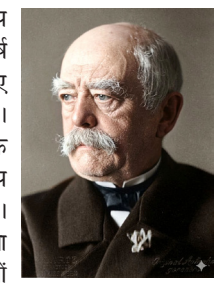

शितमाम राजनीतिक अवरोधों और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने आधुनिक जर्मनी की नींव रखी। उनका जीवन दूरदर्शिता, साहसिक निर्णय लेने की क्षमता और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा का अद्वितीय प्रतीक है। शक्ति ही अधिकार का आधार है। राष्ट्रों का भाग्य केवल भाषणों से नहीं बल्कि ठोस निर्णयों से तय होता है। राजनीति संभावनाओं की कला है। बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की गलतियों से सीखते हैं। कूटनीति में धैर्य ही सबसे बड़ा हथियार है। एकता में ही वास्तविक बल निहित है। अवसर का लाभ उठाना ही बुद्धिमानी है। राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। यथार्थवाद आदर्शवाद से अधिक प्रभावी है। कठिन समय में कठोर निर्णय आवश्यक हैं। भविष्य का निर्माण वर्तमान के संघर्ष से होता है। शांति के लिए शक्ति का होना अनिवार्य है। कूटनीतिक चालें शतरंज के खेल जैसी हैं। सत्य का मूल्य केवल समय ही बताता है। जनमत को सही दिशा देना नेतृत्व है। इतिहास विजेताओं के साहस से लिखा जाता है। आत्मनिर्भर राष्ट्र ही सम्मानित होता है। संसाधनों का सही प्रबंधन ही सफलता है। विरोधियों को मित्र बनाना श्रेष्ठ कूटनीति है। सत्ता की बागडोर सधे हुए हाथों में होनी चाहिए। अनुशासन ही संगठन की आत्मा है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास

करें। विपरीत परिस्थितियों में विचलित न होना ही वीरता है। सामाजिक सुरक्षा और कल्याण राज्य का दायित्व है। दूरगामी सोच ही विकास का मार्ग है। समझौतों में राष्ट्रहित का ध्यान रखें। संघर्ष से ही नई व्यवस्था का जन्म होता है। नियम और कानून व्यवस्था का आधार हैं। अपनी सीमाओं और क्षमताओं को पहचानें। हर चुनौती एक नया अवसर लेकर आती है। साहस और धैर्य का संगम ही विजय है। परिवर्तन के लिए तैयार रहना आवश्यक है। महान कार्यों के लिए बलिदान देना पड़ता है। राष्ट्रभक्ति ही सबसे बड़ा गौरव है। स्थिरता और प्रगति के लिए कड़े कानून जरूरी हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कलियुग में नामजप : सबसे सरल और प्रभावी

कलियुग को शास्त्रों में दोषों का युग कहा गया है, परंतु इसके भीतर एक महान गुण भी छिपा है—यहाँ भगवान की प्राप्ति के लिए सबसे सरल मार्ग नामजप है। अन्य युगों में जहाँ कठोर तप, ध्यान और यज्ञ की आवश्यकता थी, वहीं कलियुग में केवल प्रभु के नाम का स्मरण ही मनुष्य को आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जा सकता है। यही कारण है कि संतों और शास्त्रों ने नामसंकीर्तन को सर्वोत्तम साधना बताया है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रत्येक युग की अपनी साधना रही है। सतयुग में ज्ञानयोग, त्रेतायुग में ध्यानयोग और द्वापरयुग में यज्ञ तथा पूजाअर्चना प्रमुख थे। इन साधनाओं के लिए अत्यंत शुद्ध वातावरण, अनुशासन और एकाग्रता की आवश्यकता होती थी। परंतु आज के युग में मनुष्य का जीवन अत्यधिक व्यस्त, अस्थिर और विक्षिप्त हो गया है। मन हर क्षण नए विचारों, चिंताओं और आकर्षणों से घिरा रहता है। ऐसे में लंबे समय तक ध्यान करना, कठोर तप करना या विधिपूर्वक यज्ञ करना सामान्य व्यक्ति के लिए कठिन हो गया है। इसीलिए शास्त्रों ने कलियुग के लिए नामजप को सबसे सरल मार्ग बताया है। श्रीमद्भागवत में कहा गया है कि जो फल तप, योग और यज्ञ से भी कठिनाई से प्राप्त होता है, वही फल कलियुग में भगवान के नामस्मरण से सहज मिल जाता है। इसी प्रकार रामचरितमानस

में स्पष्ट कहा गया है—"कलियुग केवल नाम आधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहि पारा।" अर्थात इस युग में केवल नाम का आश्रय लेकर ही मनुष्य जीवन रूपी सागर को पार कर सकता है। महापुरुषों ने भी नामजप के महत्व को स्वीकार किया है। चैतन्य महाप्रभु ने हरिनाम संकीर्तन को मुक्ति का एकमात्र साधन बताया, वहीं गुरु नानक देव ने भी कहा कि सारा संसार दुखी है, परंतु जो नाम का आश्रय लेता है वही सच्चा सुखी होता है। नामजप की विशेषता यह है कि इसमें न कोई स्थान का बंधन है, न समय का। इसे चलते-फिरते, काम करते, यहाँ तक कि मन ही मन भी किया जा सकता है। आज के युग में जहाँ मनुष्य के पास समय की कमी है और मानसिक शांति दुर्लभ हो गई है, वहाँ नामजप एक ऐसा साधन है जो जीवन में स्थिरता, शांति और सकारात्मकता लाता है। यह न केवल मन को शुद्ध करता है, बल्कि धीरे-धीरे व्यक्ति के भीतर आत्मबल और श्रद्धा का संचार भी करता है। अंततः, नामजप केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है। यदि मनुष्य सच्चे भाव से ईश्वर का नाम स्मरण करे, तो वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आंतरिक शांति और शक्ति का अनुभव कर सकता है। यही कारण है कि कलियुग में नामजप को सबसे सरल, सुलभ और प्रभावी साधना माना गया है।

अपने विचार

आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कांग्रेस इस संवेदनशील मुद्दे पर किस तरह के बयान दे रही है – वे खतरनाक हैं। कांग्रेस खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीयों की जान खतरे में डालना चाहती है, ताकि वह इससे राजनीतिक फायदा उठा सके।

– नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

वामपंथी नेताओं का यूडीएफ के समर्थन से निर्दलीय चुनाव लड़ना दर्शाता है कि माकपा अब सच्ची वामपंथी पार्टी नहीं है। इसका कारण यह है कि भाजपा केरल में माकपा को सत्ता में चाहती है। क्योंकि वे जानते हैं कि माकपा को नियंत्रित कर सकते हैं।

-राहुल गांधी
नेता, विपक्ष

'चुनौती 2 से 3 महीनों में आएगी, जब हमारे पास तेल और फर्टिलाइजर खत्म हो जाएंगे। हमारा अधिकांश एलएनजी कतर से आता है, और हमारा अधिकांश तेल अरब, मध्य पूर्व से आता है। अगर वह नहीं आता है, और अगर वह ऊंची दर पर आता है, तो महंगाई होगी।

-विक्रम सूद
पूर्व प्रमुख, RAW

लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए गए हैं और उन्हें अब 5 किलोग्राम अनाज मिल रहा है।मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जो यहां नक्सलवाद की वकालत कर रहे थे, अब तक लोगों को ये सुविधाएं क्यों नहीं मिलीं? बस्तर के लोगों को पीछे छोड़ दिया गया था क्योंकि क्षेत्र पर रेड टेरर की छाया मंडरा रही थी।

-अमित शाह
गृहमंत्री, भारत

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

CRWWO स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

मुंबई। सेंट्रल रेलवे महिला कल्याण संगठन (सीआरडब्लूडब्लूओ) की अध्यक्षा रेखा अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में सीआरडब्लूडब्लूओ संस्कृति प्राइमरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा एवं मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। समारोह के दौरान रेखा अग्रवाल ने विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों की मेहनत, लगन और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के महत्व पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर अग्रवाल ने शैक्षणिक वर्ष 2026–27 के लिए दो पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की।

ठाणे पुलिस ने जीता सरकारी क्रिकेट टूर्नामेंट

ठाणे। सेंट्रल ग्राउंड पर सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए आयोजित एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ, जिसमें ठाणे पुलिस टीम ने अपने जबरदस्त प्रदर्शन के दम पर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया, जबकि ठाणे ग्रामीण पुलिस की टीम उपविजेता (रनर-अप) रही। कुल 12 टीमों की भागीदारी वाले इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच कर्मचारियों की शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को बढ़ावा देना था। अनुशासन और बेहतरीन टाइम मैनेजमेंट के साथ आयोजित इस स्पर्धा में खिलाड़ियों के बीच गजब का तालमेल और भाईचारा देखने को मिला, जिसकी दर्शकों ने भी जमकर सराहना की। अंत में विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कैंसर शोध के लिए बायोप्सी प्रशिक्षण जरूरी: डॉ पवार

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जंग जीतने के लिए सही समय पर सटीक जांच (Diagnosis) सबसे बड़ा हथियार है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए ठाणे के सिविल अस्पताल में डॉक्टरों के लिए एक विशेष 'हैंड्स-ऑन' बायोप्सी ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया गया। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने स्पष्ट किया कि कैंसर शोध और उपचार में बायोप्सी का प्रशिक्षण अब अनिवार्य है। डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि कैंसर के इलाज में सबसे बड़ी चुनौती समय पर जांच होना है। बायोप्सी वह प्रक्रिया है जिससे कैंसर की पुष्टि होती है। अगर सरकारी सिस्टम के डॉक्टर इसमें निपुण होंगे, तो मरीजों को निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और इलाज तुरंत शुरू हो सकेगा।

ग्रामीण और जिला अस्पतालों के मेडिकल ऑफिसर्स को मिली ट्रेनिंग

इस सत्र में केवल बड़े शहरों के नहीं, बल्कि ग्रामीण अस्पतालों, उप-जिला अस्पतालों और प्राइमरी हेल्थ सेंटरों (PHC) के डेंटल सर्जन और मेडिकल ऑफिसर बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसका मतलब है कि अब सुदूर गांवों के मरीजों को भी कैंसर की शुरुआती जांच की सुविधा मिल सकेगी। डॉक्टरों को सलाह दी गई कि वे मरीजों के छोटे-छोटे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। ट्रेनिंग का मुख्य मकसद यही है कि कैंसर को पहली या दूसरी स्टेज में ही पकड़ लिया जाए, जिससे मरीज के बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

कैंसर सर्जन डॉ. हितेश सिंघवी ने दिए गुरुमंत्र

प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. हितेश सिंघवी ने डॉक्टरों को बारीकी से समझाया कि सैंपल लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने तीन मुख्य मंत्र दिए:

- सैंपल सही जगह से लेना।
- इंफेक्शन से बचने के लिए पूरी साफ-सफाई रखना।
- सैंपल को सुरक्षित तरीके से स्टोर करना ताकि वह खराब न हो।

डॉ. अर्चना पवार ने दिया लाइव डेमो

ट्रेनिंग को सिर्फ किताबी बातों तक सीमित नहीं रखा गया। प्रसिद्ध दंत विशेषज्ञ डॉ. अर्चना पवार ने लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया, जिससे मौजूद डॉक्टरों को प्रैक्टिकल समझ मिली। उन्होंने दिखाया कि मरीज को कैसे संभालना है और बायोप्सी के दौरान सुरक्षा के क्या मानक होने चाहिए।

घाटकोपर में हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

मुंबई के घाटकोपर इलाके में मोबाइल के जरिए ग्राहकों से संपर्क कर वेश्यावृत्ति का धंधा चलाने वाले एक गिरोह का घाटकोपर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन महिलाओं को हिरासत में लिया है। जांच में सामने आया है कि ये तीनों महिलाएं शहर की हाई-प्रोफाइल (उच्चभ्रू) सोसायटियों में रहती थीं। पुलिस अब इस मामले के मुख्य सरगना और अन्य कड़ियों की तलाश में जुटी है। घाटकोपर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके की एक महिला पॉश सोसायटियों में रहने वाली अन्य महिलाओं को भारी मात्रा में पैसों का लालच देकर उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल रही है। यह महिला मोबाइल के जरिए ग्राहकों से संपर्क करती थी और उनकी मांग के अनुसार महिलाएं उपलब्ध कराती थी।

फर्जी ग्राहक बनकर पुलिस ने बिछाया जाल

सूचना की पुष्टि करने के लिए घाटकोपर पुलिस ने एक रणनीतिक जाल बिछाया। पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक बनकर मुख्य आरोपी महिला से संपर्क किया। सौदा तय होने के बाद, वह महिला अन्य दो महिलाओं के साथ घाटकोपर के एक होटल में पहुंची। पुलिस टीम पहले से ही होटल के आसपास सादे कपड़ों में तैनात थी। जैसे ही महिलाएं होटल पहुंचीं, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि मुख्य आरोपी महिला ही ग्राहकों से तालमेल बिठाने और डील्स फाइनल करने का काम करती थी।

पश्चिम रेलवे ने बनाया रिकॉर्ड, विविध राजस्व में 1,350 करोड़ की कमाई

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में विविध राजस्व के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 1,350 करोड़ की अब तक की सर्वाधिक आय दर्ज की है। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की तुलना में 23% की वृद्धि दर्शाती है और लगातार तीसरे वर्ष 1,000 करोड़ के आंकड़े को पार करने का रिकॉर्ड भी कायम करती है। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, यह आय मुख्य परिवहन सेवाओं के अलावा अन्य स्रोतों से प्राप्त हुई है। यह सफलता राजस्व स्रोतों के विविधीकरण और परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग की रणनीति का परिणाम है।

इन स्रोतों से हुआ प्रमुख योगदान

विविध राजस्व में प्रॉपर्टी डेवलपमेंट, भूमि और भवन किराया, वे-लीव शुल्क, साइडिंग मेंटेनेंस शुल्क, विज्ञापन, पार्किंग और कैटरिंग जैसे प्रमुख स्रोतों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके अलावा गैर-रेलवे संस्थाओं से बकाया वसूली, अनक्लेम्ड जमा राशि, दंड, जुर्माना, ब्याज और निरीक्षण शुल्क जैसी मदों से भी राजस्व प्राप्त हुआ, जिसने कुल आय को मजबूत बनाया।

हाथी रोग उन्मूलन अभियान तेज

2027 तक बीमारी को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महाराष्ट्र सहित पूरे देश में हाथी रोग (लिम्फेटिक फाइलेरियासिस) के उन्मूलन के लिए 'ट्रिपल ड्रग थेरेपी' (आईडीए) अभियान को तेज किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2027 तक इस बीमारी को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है, जिसमें राज्य सरकार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इस अभियान के तहत आइवरमेक्टिन, डीईसी और एल्बेंडाजोल दवाओं का संयुक्त उपयोग किया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह उपचार परजीवी (माइक्रोफाइलेरिया) को तेजी से कम करने में प्रभावी है, जिससे संक्रमण के फैलाव पर जल्द नियंत्रण पाया जा सकता है।

18 जिलों में प्रभाव, 55 लाख लोगों तक पहुंच का लक्ष्य

राज्य के गडचिरोली, भंडारा और चंद्रपुर समेत कुल 18 जिलों में इस बीमारी का प्रभाव देखा जा रहा है। फरवरी 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, कुल मामलों में से लगभग 75 प्रतिशत मरीज नागपुर संभाग में हैं। सरकार ने इस अभियान के तहत करीब 55 लाख नागरिकों तक उपचार पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

नागपुर ग्रामीण में सकारात्मक परिणाम

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से नागपुर ग्रामीण क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। यहां सूक्ष्मजीव प्रसार दर (एमएफ रेट) 2014 के 4 .91 प्रतिशत से घटकर 2024 में एक प्रतिशत से भी कम हो गई है, जो अभियान की सफलता को दर्शाता है।

विदर्भ को प्राथमिकता, 2017 से पहल

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 में महाराष्ट्र पहला राज्य बना था जिसने विदर्भ के जिलों को इस उपचार के लिए प्राथमिकता देने की मांग की थी। इससे आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष लाभ मिला है।

12 राज्यों में एमडीए अभियान, महाराष्ट्र भी शामिल

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत देश के 12 राज्यों में 'मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' (एमडीए) अभियान चलाया जा रहा है। महाराष्ट्र में भी इस अभियान को व्यापक स्तर पर लागू किया गया है।

129 साल पुराने पुल की जगह लगा आधुनिक पीएससी स्लैब

कांदिवली-बोरीवली के बीच पश्चिम रेलवे का सफल मेगा ऑपरेशन

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

पश्चिम रेलवे ने कांदिवली और बोरीवली स्टेशनों के बीच स्थित पुल संख्या 61 का सफलतापूर्वक उन्नयन कर उपनगरीय रेल नेटवर्क को और अधिक सुरक्षित एवं मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वर्ष 1897 में निर्मित इस 129 वर्ष पुराने पुल को आधुनिक पीएससी संरचना से बदल दिया गया है, जो वर्तमान सुरक्षा और परिचालन मानकों के अनुरूप है।

मेगा ब्लॉक में पूरा हुआ जटिल कार्य

यह उन्नयन कार्य 28 मार्च 2026 की रात 22:30 बजे से 29 मार्च 2026 की शाम 19:30 बजे तक निर्धारित मेगा ब्लॉक के दौरान पूरा किया गया। इसके अलावा 29 मार्च को तड़के 01:00 बजे से 04:30 बजे तक डाउन फास्ट लाइन पर भी काम किया गया। सीमित समय में इस जटिल इंजीनियरिंग कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

पुराने गर्डर हटाकर लगाए आधुनिक पीएससी स्लैब

कार्य के तहत पुराने स्टील गर्डरों के चार स्पैन हटाए गए और 8 स्टील गर्डरों की डी-लॉन्चिंग के बाद 28 प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (PSC) स्लैब एवं 8 रिटेनर स्थापित किए गए। यह नई संरचना अधिक मजबूत, टिकाऊ और उच्च भार वहन क्षमता वाली है।

कम रखरखाव और अधिक सुरक्षा

पीएससी स्लैब जंग-रोधी होते हैं और इन्हें कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। ये बेहतर संरचनात्मक स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे भारी यातायात और प्रतिकूल मौसम में भी रेल संचालन अधिक सुरक्षित और सुचारू रहता है। इस कार्य में हेवी-ड्यूटी क्रेन, हाइड्रा मशीनें, पोकलेन एक्स्कावेटर और जेसीबी जैसी अत्याधुनिक मशीनरी का उपयोग किया गया। 200 से अधिक कर्मियों की टीम ने लगातार काम करते हुए उच्च स्तर की तकनीकी दक्षता और समन्वय का प्रदर्शन किया।

मानसून तैयारी का अहम हिस्सा

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर अजय सिंह राजपूत के अनुसार, यह परियोजना पश्चिम रेलवे की मानसून तैयारी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारी बारिश के दौरान रेलवे ढांचे की मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

नाशिक सेक्स स्कैंडल

आरोपी खरात की पत्नी फरार, बेटा हिरासत में

डीबीडी संवाददाता I नाशिक/मुंबई

महिलाओं के यौन शोषण और धोखाधड़ी के आरोपी अशोक खरात के खिलाफ चल रही पुलिस और एसआईटी (SIT) की जांच में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में, आरोपी की पत्नी कल्पना खरात के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार शाम जब एसआईटी की टीम उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तो वह फरार पाई गई। इसके बाद कार्रवाई करते हुए टीम ने अशोक खरात के बेटे को हिरासत में ले लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

कोरेगांव पार्क में 100 करोड़ की संपत्ति का 'नेटवर्क'

भोंदू बाबा खरात के काले कारनामों के तार अब पुणे के पॉश इलाके कोरेगाव पार्क तक पहुंच गए हैं। एसआईटी की जांच में सामने आया है कि खरात के करीबी सीए (CA) प्रकाश पोफले के माध्यम से 2024 में करोड़ों की संपत्ति खरीदी गई थी। दस्तावेजों के अनुसार, कोरेगाव पार्क में 8 रो-हाउस और लगभग 49 गुंठे जमीन खरीदी गई है। हालांकि कागजों पर इसकी कीमत 19 .56 करोड़ रुपये दिखाई गई है, लेकिन बाजार भाव के अनुसार इस संपत्ति की वास्तविक कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है।

शिरडी पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज

अशोक खरात की पत्नी कल्पना खरात सहित पांच लोगों के खिलाफ शिरडी पुलिस स्टेशन में रावसाहेब गोंदकर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि खरात और उसके साथियों ने जबरन जमीन की खरीद-फरोख्त की और करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया। इस एफआईआर के बाद कल्पना खरात भी अब इस पूरे मामले में आधिकारिक तौर पर आरोपी बन गई हैं।

काले धन को सफेद करने का संदेह

जांच एजेंसियां अब इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि क्या तंत्र-मंत्र और शोषण के जरिए इकट्ठा किए गए पैसे को ट्रस्ट, बेनामी सौदों और रियल एस्टेट निवेश के माध्यम से सफेद किया गया था। कई सौदों में संदिग्ध वित्तीय तरीकों के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। एसआईटी फिलहाल बैंक ट्रांजैक्शन, प्रॉपर्टी रिकॉर्ड्स और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की गहराई से जांच कर रही है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकते हैं। बेवजह तनाव रह सकता है। सिर में चोट लग सकती है। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृष जल्दबाजी से चोट लग सकती है। कुसंगति से बचें। कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। असमंजस की स्थिति बनेगी। लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें। भावनाओं को वश में रखें। मन की बात किसी को न बतलाएं।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

कर्क किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। बातचीत में संयम रखें। शत्रुता में कमी रहेगी। स्थायी संपत्ति की खरीदी-बिक्री की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा। यश बढ़ेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नए काम मिल सकते हैं। आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है।

तुला बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। सृजनशीलता का विकास होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा। जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं। प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराने रोग को नजरअंदाज न करें। व्यय होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शत्रुभय रहेगा।

मकर सुख के साधन जुटेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। किसी विवाद में विजय मिल सकती है। सामाजिक काम करने का मन बनेगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे।

कुंभ विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है। मित्रों से भेंट होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। जीवनसाथी की चिंता रहेगी।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के मामलों में हाथ न डालें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा। आय होगी। जोखिम न उठाएं।

हनुमानजी को सिन्दूर चढ़ाने की दिव्य परंपरा का रहस्य

सनातन परंपरा में हर आचार-विचार के पीछे कोई न कोई गहरा आध्यात्मिक अर्थ छिपा होता है। भगवान हनुमान को सिन्दूर चढ़ाने की परंपरा भी केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि भक्ति, समर्पण और प्रेम की उस पराकाष्ठा का प्रतीक है, जिसे शब्दों में पूर्ण रूप से व्यक्त करना संभव नहीं। यह परंपरा दो अत्यंत मार्मिक प्रसंगों से जुड़ी है, जो हनुमानजी की रामभक्ति की गहराई को प्रकट करते हैं और यह समझाते हैं कि सच्चा भक्त अपने ईश्वर के लिए किस हद तक समर्पित हो सकता है।

लंका विजय के बाद जब धर्म और अधर्म के बीच का महायुद्ध समाप्त हुआ और रावण का अंत हुआ, तब अयोध्या में श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ। चारों ओर शांति और उल्लास का वातावरण था। रामराज्य की स्थापना के साथ ही सभी वानर और राक्षस मित्रों को सम्मानपूर्वक विदा किया गया। लेकिन हनुमानजी को विदा करना स्वयं श्रीराम के लिए भी संभव नहीं था। उनका प्रेम और भक्ति इतनी गहरी थी कि वे अयोध्या में ही रह गए और हर समय श्रीराम की सेवा में लगे रहते थे। एक दिन का प्रसंग है जब श्रीराम दिनभर के राजकार्य समाप्त कर अपने कक्ष में विश्राम के लिए पहुंचे। उनके साथ माता सीता और उनके भाई अपनी-अपनी पत्नियों सहित उपस्थित थे। यह एक पारिवारिक और निजी क्षण था, लेकिन हनुमानजी भी उनके पीछे-पीछे वहां आ गए और प्रभु के चरणों के पास बैठ गए। वे इतने निष्कपट और भक्ति में लीन थे कि उन्हें यह आभास ही नहीं हुआ कि यह एकांत का समय है। अन्य परिजनों को यह उचित नहीं लगा, और संकेतों के माध्यम से हनुमानजी को बाहर जाने का आग्रह किया गया, परंतु हनुमानजी उन संकेतों को समझ नहीं पाए। अंततः श्रीराम ने मुस्कुराते हुए कहा कि वे जाकर विश्राम करें। तब हनुमानजी ने अत्यंत सरलता से उत्तर दिया कि प्रभु के समीप रहने से अधिक विश्रामदायक और क्या हो सकता है। तभी यह कहा गया कि माता सीता को प्रभु के साथ एकांत में रहने का अधिकार है, क्योंकि वे उनकी पत्नी हैं और उनके माथे पर सिन्दूर इसका प्रतीक है। यह सुनकर हनुमानजी चकित रह गए और उन्होंने प्रश्न किया कि क्या सिन्दूर लगाने से प्रभु के निकट रहने का अधिकार प्राप्त हो जाता है। श्रीराम ने मुस्कुराकर इसकी पुष्टि की। यह बात हनुमानजी के हृदय में बैठ गई। अगले ही दिन जब दरबार लगा, तो एक विचित्र दृश्य देखने को मिला। हनुमानजी पूरे शरीर पर सिन्दूर लगाकर दरबार में उपस्थित हुए। उनका शरीर सिर से पांव तक लाल रंग में रंगा हुआ था। यह देखकर सभी आश्चर्यचकित रह गए और हंसी भी आने लगी। जब उनसे इसका कारण पूछा गया, तो उन्होंने अत्यंत भोलेपन और प्रेम से कहा कि यदि एक चुटकी सिन्दूर लगाने से प्रभु के समीप रहने का अधिकार मिलता है, तो उन्होंने पूरा शरीर सिन्दूर से ढक लिया ताकि वे सदा-सर्वदा प्रभु के सबसे निकट रह सकें। उनके इस उत्तर में इतनी निष्कपट भक्ति थी कि पूरा दरबार भावविभोर हो गया। भरतजी की आंखों से आंसू बहने लगे, क्योंकि उन्होंने इस भक्ति की महानता को पहचान लिया था। इस प्रसंग से यह स्पष्ट होता है कि हनुमानजी के लिए प्रभु श्रीराम केवल एक राजा नहीं, बल्कि उनके जीवन का केंद्र, उनका प्राण और उनका सर्वस्व थे। वे अपने अस्तित्व को भी प्रभु की सेवा में समर्पित कर चुके थे।

प्रियंका जैन
97699 94439

नालंदा के शीतला माता मंदिर में भगदड़, आठ की मौत

काल-कवलित होने वालों में सभी महिला श्रद्धालु, राहत-बचाव जारी

अचानक भीड़ बढ़ने से हुआ भीषण हादसा, मंदिर अस्थाई रूप से बंद

एजेंसी । बिहार शरीफ

नालंदा जिले स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार सुबह पूजा-अर्चना के दौरान अचानक मची भगदड़ में कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सभी मृतक महिलाओं के होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। प्रशासन के अनुसार, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्र होने के कारण मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे यह दुर्घटना हुई। एहतियातन मंदिर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

आठ-आठ लाख की मदद की घोषणा

राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 6-6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है, जिसमें आपदा प्रबंधन विभाग से 4 लाख और मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपये शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये देने का ऐलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए घटना को दुखद बताया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुखद बताया है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज और राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घटना की परिस्थितियों पर नजर बनाए रखने को कहा गया है।

स्थिति को नियंत्रित करने में जुटा प्रशासन

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। विपक्ष के नेताओं ने घटना की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने और घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में जुटा हुआ है। बिहार में नालंदा जिलांतर्गत दीपनगर थाना क्षेत्र के मां शीतला मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान अत्यधिक भीड़ होने के कारण अचानक स्थिति अनियंत्रित हो गई थी। घटनास्थल पर आयुक्त पटना प्रमंडल क्षेत्र पटना, पुलिस महानिरीक्षक केंद्रीय क्षेत्र पटना द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है तथा घटना स्थल पर जिला पदाधिकारी नालंदा पुलिस अधीक्षक नालंदा एवं उप विकास आयुक्त, नालंदा स्वयं उपस्थित रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

खंगाली जा रही फुटेज, एसओ निलंबित

जिला प्रशासन द्वारा घटना की जांच कराई जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मंदिर प्रांगण में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया जा रहा है। साथ हीं एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का वैज्ञानिक एवं गहन निरीक्षण किया जा रहा है।घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष दीपनगर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने मौके पर पर्याप्त सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था न होने का आरोप भी लगाया है। मृतकों में से अब तक दो की पहचान हुई है। सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की पत्नी रीता देवी (50) और नूरसराय के मथुरापुर निवासी कमलेश प्रसाद की पत्नी रेखा देवी (45)। अन्य मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। रेखा देवी के पुत्र ने बताया कि उनकी मां मेला देखने गई थीं।

15 मिनट में दरवाजे पर होगी एंबुलेंस

छत्तीसगढ़ में 370 नई एम्बुलेंस सेवाओं को दिखाई गई हरी झंडी

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से 370 नई एम्बुलेंस को राज्यभर में तैनात किया है। इन एम्बुलेंस के संचालन के साथ ही 108 आपातकालीन सेवा को प्रदेश में और व्यापक रूप से लागू कर दिया गया है, जिससे मरीजों तक समयबद्ध चिकित्सा सहायता पहुंचाने की व्यवस्था सुदृढ़ होगी। सरकार का लक्ष्य शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को 300 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

निगरानी के लिए सेंट्रलाइज्ड सिस्टम

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार और उन्नयन से लोगों का भरोसा सरकारी चिकित्सा सेवाओं पर बढ़ा है, जबकि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इसे राज्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे आम नागरिकों को त्वरित उपचार सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस सेवाओं की निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था भी लागू की है, किसी प्रकार की देरी या लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

बिहार विधानसभा: 19 समितियां गठित

विधानसभा अध्यक्ष की संस्तुति के बाद जारी की गई सूची

विधायक अनंत सिंह, मनोरंजन सिंह को भी मिला दायित्व

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विषयों पर कार्य करने हेतु 19 गठन कर दिया है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार की स्वीकृति के बाद मंगलवार को इन समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों की आधिकारिक सूची जारी की गई।

प्रेम कुमार को नियम समिति की जिम्मेदारी

नए गठन के तहत विभिन्न दलों के विधायकों को अलग-अलग समितियों में दायित्व दिए गए हैं। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह को पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी समिति में सदस्य बनाया गया है। वहीं, एकमा से विधायक मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह को पर्यटन उद्योग से संबंधित समिति की अध्यक्षता सौंपी गई है। समितियों के गठन में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान मतदान से अनुपस्थित रहने वाले कांग्रेस के मनोहर प्रसाद

सिंह और राजद के फैसल रहमान को भी शामिल किया गया है। दोनों को एक-एक समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इन सभी समितियों का कार्यकाल 1 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा। विधानसभा की नियम समिति की अध्यक्षता स्वयं अध्यक्ष प्रेम कुमार करेंगे।

ढगवार में जल्द शुरू होगा आधुनिक डेयरी प्लांट

हिमाचल में दूध प्रसंस्करण को बढ़ावा देगी सुखविंदर सरकार

1.5 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले प्लांट का होगा संचालन

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य में उत्पादित दूध की स्थानीय खपत बढ़ाने और डेयरी क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम तेज कर रही है। इसी क्रम में कांगड़ा जिले के ढगवार में अत्याधुनिक मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जा रहा है।

बाहरी बाजारों पर कम होगी निर्भरता

सरकार का उद्देश्य राज्य में उत्पादित दूध को बाहरी बाजारों पर निर्भर रहने के बजाय प्रदेश में ही खपाना है। वर्तमान में अतिरिक्त दूध को बाहर भेजने में सरकार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।प्रस्तावित प्लांट के शुरू होने के बाद इस स्थिति में सुधार की उम्मीद जताई गई है। पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार ने बताया कि दूध उत्पादन बढ़ने के कारण मौजूदा प्रसंस्करण क्षमता अपर्याप्त पड़ रही है।

हिमाचल में नए मिल्क प्लांट्स की तैयारी

इसे ध्यान में रखते हुए हमीरपुर, ऊना और कुल्लू में भी नए मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने की योजना है। साथ ही, दूध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए चिलिंग सुविधाओं के विस्तार पर भी काम किया जा रहा है। विधानसभा में चर्चा के दौरान कई विधायकों ने अपने क्षेत्रों को प्रस्तावित प्लांट से जोड़ने और डेयरी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पूरे राज्य में अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर

एजेंसी । पटना

बिहार सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से पूरे राज्य में अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल ने सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को अभियान के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर शहरी व्यवस्था, यातायात और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा।

नौ साल में खुले 17000 कारखाने

अप्रैल 2017 से अब तक 17841 उद्यम हुए पंजीकृत

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बीते नौ वर्षों के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल 2017 से अब तक राज्य में 17,841 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ है, जिससे कुल पंजीकृत इकाइयों की संख्या बढ़कर 32,019 तक पहुंच गई है। तुलना में, वर्ष 1947 से 2017 तक लगभग 14,178 कारखाने ही पंजीकृत हुए थे।

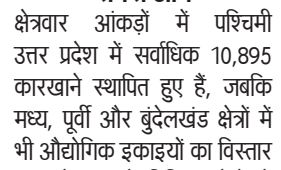

उद्यम के मामले में पश्चिम यूपी सबसे आगे

क्षेत्रवार आंकड़ों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 10,895 कारखाने स्थापित हुए हैं, जबकि मध्य, पूर्वी और बुंदेलखंड क्षेत्रों में भी औद्योगिक इकाइयों का विस्तार हुआ है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उद्योगों के आकार के आधार पर देखें तो बड़ी संख्या में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयां स्थापित हुई हैं।

अपराधियों को नहीं देंगे टिकट: मायावती

बसपा ने महंगाई और वैश्विक हालात पर उठाए सवाल

एजेंसी । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने वैश्विक तनाव के मद्देनजर देश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के प्रभाव से ईंधन संकट और महंगाई बढ़ने का खतरा है, जिससे आम लोगों, खासकर गरीब वर्ग पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

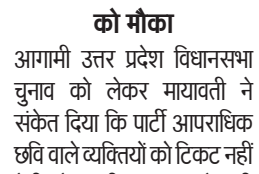

उम्मीदवार चयन में हर वर्ग को मौका

आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर मायावती ने संकेत दिया कि पार्टी आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों को टिकट नहीं देगी और उम्मीदवार चयन में सभी वर्गों के संतुलित प्रतिनिधित्व पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि 2027 में राज्य में बसपा की सरकार बनने की संभावना है।

आरक्षण मुद्दे पर सरकार को घेरा

इसके अलावा, उन्होंने आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार की नीतियों की आलोचना की और कहा कि वंचित वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। पार्टी की ओर से डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर विभिन्न मंडलों में कार्यक्रम आयोजित करने की भी जानकारी दी गई। बैठक में संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने पदाधिकारियों को जनहित के मुद्दों पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए और कार्य में लापरवाही पर सख्ती की बात कही।

एंट्री टैक्स के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में एंट्री टैक्स बढ़ाए जाने के फैसले को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। विपक्षी दल भाजपा ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में प्रदर्शन कर राज्य सरकार से इस निर्णय को वापस लेने की मांग की। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने विरोध जताया। पार्टी का आरोप है कि सरकार ने बिना व्यापक विचार-विमर्श के टैक्स बढ़ाया है।

एलपीजी की कालाबाजारी में 224 नामजद

प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर मारे गए 17 हजार छापे

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति व्यवस्था को लेकर सख्त निगरानी लागू करते हुए कालाबाजारी और जमाखोरी पर व्यापक कार्रवाई की है। 12 मार्च से अब तक राज्यभर में 17,581 छापेमारी और निरीक्षण किए गए हैं, जिनमें 224 लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एलपीजी वितरण से जुड़े मामलों में 33 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

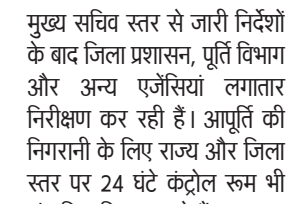

24 घंटे सक्रिय है कंट्रोल रूम

मुख्य सचिव स्तर से जारी निर्देशों के बाद जिला प्रशासन, पूर्ति विभाग और अन्य एजेंसियां लगातार निरीक्षण कर रही हैं। आपूर्ति की निगरानी के लिए राज्य और जिला स्तर पर 24 घंटे कंट्रोल रूम भी संचालित किए जा रहे हैं। सरकार ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण न करे।

व्यापार जगत

वित्तीय वर्ष की जगह अब 'कर वर्ष'

1961 के कानून की जगह लेगा नया आयकर अधिनियम 2025

एजेंसी । नई दिल्ली

नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ ही एक अप्रैल से देश का आयकर ढांचा भी बड़े बदलावों के दौर में प्रवेश करने जा रहा है। नया आयकर अधिनियम, 2025 बुधवार से लागू हो जाएगा, जो करीब छह दशक पुराने 1961 के कानून की जगह लेगा। इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम, प्रक्रियाओं और नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव वित्तीय वर्ष और निर्धारण वर्ष की जगह एकल 'कर वर्ष' शुरुआत है।

बजटीय घोषणाएं भी आज से होंगी प्रभावी

आयकर विभाग के मुताबिक नए आयकर कानून और अन्य बजटीय प्रावधान 1 अप्रैल से लागू होंगे। इन बजटीय प्रावधान में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) व्यापार पर उच्च प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और चिकित्सा तथा शिक्षा उद्देश्यों के लिए विदेशी पर्यटन पैकेज एवं एलआरएस प्रेषणों पर कम टीसीएस शामिल हैं।

2026-27 के लिए पुराने प्रपत्र होंगे इस्तेमाल

नए कानून का उद्देश्य उसी कर नीति को अधिक तार्किक, सुलभ एवं पाठक-अनुकूल प्रारूप में प्रस्तुत करना है। बदलाव अवधि के दौरान उसका ई-फाइलिंग मंच पुराने और नए दोनों आयकर कानूनों के तहत अनुपालन की सुविधा देगा। साथ ही पिछले वर्षों से संबंधित सभी आकलन, अपील एवं अन्य कार्यवाही अंतिम निपटान तक पुराने कानून के तहत ही जारी रहेंगी। आकलन वर्ष 2026-27 (जो पुराने कानून की अवधि से संबंधित है) के लिए जुलाई में रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता पुराने कानून के तहत निर्धारित प्रपत्रों का ही उपयोग करेंगे।

बिना जुर्माना के वापस होगा टीडीएस

इसके साथ ही समय सीमा के बाद आयकर रिटर्न दाखिल होने पर भी टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की वापसी बिना किसी दंड शुल्क के लेने की अनुमति दी गई है। एक अप्रैल से लागू होने वाला एक अन्य बड़ा बदलाव वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदों पर एसटीटी में वृद्धि है। वायदा अनुबंधों पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी हो जाएगा। विकल्प प्रीमियम एवं विकल्प के प्रयोग पर एसटीटी क्रमशः 0.1 फीसदी और 0.125 फीसदी से बढ़कर 0.15 प्रतिशत हो जाएगा।

2047 तक विदेशी कंपनी को कर में छूट

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में यह प्रावधान किया गया है कि भारत में डेटा सेंटर सेवाएं लेने वाली किसी भी विदेशी कंपनी को 2047 तक 20 वर्ष की कर छूट मिलेगी, जिससे उनकी वैश्विक आय पर भारतीय कर अधिकारियों द्वारा कर लगाए जाने की आशंकाएं दूर होंगी। चाहे कोई वैश्विक कंपनी भारत में अपना डेटा सेंटर स्थापित करे या किसी भारतीय डेटा सेंटर से सेवाएं ले, दोनों स्थितियों में कर व्यवस्था समान रहेगी।

मार्च महीने में सबसे अधिक टूटा सोना

वैश्विक अस्थिरता के बीच 17 साल का निचला रुझान

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता के बीच मार्च महीने में सोने की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में सोना करीब 14.5 प्रतिशत तक सस्ता हुआ, जो पिछले 17 वर्षों में सबसे बड़ी मासिक गिरावट मानी जा रही है। इससे पहले अक्टूबर 2008 में सोने में इससे अधिक गिरावट देखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम महीने की शुरुआत के लगभग 5,400 डॉलर प्रति औंस के स्तर से घटकर करीब 4,600 डॉलर प्रति औंस तक आ गए।

छह महीने में 18% चढ़ा

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि हाल के वर्षों में सोने के ट्रेडिंग पैटर्न में बदलाव देखा गया है। पहले सोने की कीमतें डॉलर और बॉन्ड यील्ड के विपरीत दिशा में चलती थीं, लेकिन बीते कुछ समय में इस संबंध में बदलाव आया था। अब हालिया परिस्थितियों में सोना फिर से पारंपरिक रुझान की ओर लौटता नजर आ रहा है। छह महीने में 18% चढ़ा एक तरफ डॉलर और यील्ड में वृद्धि के साथ इसकी कीमतों पर दबाव बन रहा है। हालांकि, दीर्घकालिक दृष्टि से सोने का प्रदर्शन अब भी मजबूत बना हुआ है। पिछले एक वर्ष में इसकी कीमतों में 45 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि बीते छह महीनों में भी यह

लगभग 18 प्रतिशत तक चढ़ा है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद सोने ने एक बार फिर अपना पुराना मिजाज अपना लिया है। अब जैसे ही बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स बढ़ रहे हैं, सोने की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। भले ही एक महीने में सोने ने गोता लगाया हो, लेकिन लंबी अवधि में यह अब भी मजबूत है। आंकड़ों के मुताबिक, बीते एक साल में डॉलर के मुकाबले सोने की कीमतों में 45 प्रतिशत से अधिक की रिकॉर्ड रैली आई है।

व्यापारिक टेबल पर भारत और चीन, संभावनाओं पर चर्चा

चार अप्रैल तक चीन दौरे पर है भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी । शंघाई

शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के कॉर्पोरेट प्रतिनिधिमंडल के साथ एक उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वैश्विक व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करना और भारत-चीन के बीच सतत आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इस उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन का उद्घाटन भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने किया।

ऊर्जा, ईवी और कनेक्टिविटी पर जोर

प्रतीक माथुर ने कई उभरते क्षेत्रों में भारत की बढ़ती संभावनाओं पर जोर दिया, जिनमें नई और नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का विकास, साथ ही सूचना और प्रौद्योगिकी उद्योग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र, टिकाऊ विकास की तलाश कर रही भारतीय और वैश्विक कंपनियों के बीच सहयोग के लिए महत्वपूर्ण क्षमता प्रदान करते हैं। भारतीय चैंबर्स ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल इस समय चीन के दौरे पर है।

पांच वर्षों के ठहराव के बाद पहला दौरा

पांच वर्षों तक संबंधों में रही ठहराव के बाद यह अपनी तरह का पहला ऐसा दौरा है। ये पहला भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल है जिसने चीन का दौरा किया है। यह दौरा दोनों देशों द्वारा पिछले साल अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के बाद हुआ है, जो 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद पाँच साल से अधिक समय तक चले अंतराल के बाद संभव हो पाया है। इस उच्च-स्तरीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन में चीनी पक्ष की ओर से भी उच्च-स्तरीय भागीदारी देखने को मिली। इसमें मुख्य रुप से एचएसबीसी और वूशी प्रौद्योगिकी विकास निगम जैसी अग्रणी कंपनियां और वित्तीय संस्थान शामिल थे।

सप्लाई बढ़ने से गिरे चांदी के भाव

दोपहर के कारोबार में दर्ज की गई गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमतों में दिन के कारोबार के दौरान हल्की गिरावट देखी गई। सुबह स्थिर स्तर पर खुलने के बाद दोपहर तक कीमतों में 300 से 400 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी दर्ज की गई। दोपहर करीब एक बजे देश के विभिन्न बाजारों में चांदी 2.44 लाख रुपये से 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में कारोबार करती रही। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी करीब 300 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती होकर लगभग 2.44 लाख रुपये के आसपास रही।

उतार-चढ़ाव के बीच दिनभर कारोबार

अन्य प्रमुख शहरों में भी कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव रहा, जबकि चेन्नई में चांदी का भाव सबसे ऊंचे स्तर पर बना रहा, हालांकि यहां भी गिरावट देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक मांग में कमी के कारण चांदी की कीमतों पर दबाव बना है। वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से दामों में नरमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों को सतर्क रहकर निर्णय लेना चाहिए।

इंडिगो को मिला नया सीईओ

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने इस नियुक्ति को मंजूरी दी, जिसके तहत वॉल्श अगस्त की शुरुआत में पदभार ग्रहण करेंगे। वर्तमान में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के महानिदेशक के रूप में कार्यरत वॉल्श का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त होगा। इसके बाद उनके 3 अगस्त तक इंडिगो में नई भूमिका संभालने की संभावना है। वॉल्श विमानन क्षेत्र में लंबे अनुभव के लिए जाने जाते हैं।

150 से ज्यादा ब्रांड्स के साथ 'आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया' लॉन्च

एजेंसी । मुंबई

महाराष्ट्र के रिटेल सेक्टर को नया आयाम देने के लिए भूमि वर्ल्ड 'आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया' लॉन्च करने जा रहा है। यह राज्य का पहला समर्पित आउटलेट मॉल होगा, जो भिवंडी को औद्योगिक हब से आधुनिक रिटेल, मनोरंजन और लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन में बदलने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मॉल में 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे, जहां 'ऑलवेज ऑन डिस्काउंट' फॉर्मेट में प्रीमियम प्रोडक्ट्स सालभर आकर्षक कीमतों पर मिलेंगे। इस मॉल को 'रिटेलटेनमेंट हब' के रूप में विकसित किया गया है। इस मॉल को 'रिटेलटेनमेंट हब' के रूप में विकसित किया गया है, जहां शॉपिंग के साथ-साथ मनोरंजन पर भी विशेष जोर रहेगा। यहां 2,500 सीटों वाला ओपन-एयर एम्फीथिएटर, 1 एकड़ में फैला फ्ली मार्केट, पॉप-अप स्टोर्स और इंडी ब्रांड्स का मिश्रण ग्राहकों को नया अनुभव देगा। इसके अलावा 'फूड एवेन्यू' में क्यूएसआर, फाइन डाइनिंग, छह रूफटॉप रेस्टोरेंट्स, 25,000 वर्ग फुट की फ्लैगशिप ब्रुअरी और 20 से अधिक फूड ट्रक्स का क्लस्टर इसे एक प्रमुख फूड डेस्टिनेशन भी बनाएगा। रणनीतिक रूप से यह प्रोजेक्ट समृद्धि महामार्ग और प्रस्तावित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़ा है, जिससे भिवंडी, ठाणे, नवी मुंबई और मुंबई तक इसकी पहुंच आसान होगी।

लखनऊ की घर में होगी कड़ी परीक्षा

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लगातार हार के क्रम को तोड़ना सुपर जायंट्स के लिए चुनौती

एजेंसी। लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान में कड़ी परीक्षा होगी। इस प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध लगातार हार के क्रम को तोड़ना लखनऊ के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। लखनऊ को दिल्ली से लगातार चार मुकाबलों में हार मिली है। मुकाबले में सभी की निगाह लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत पर रहेंगी। वह अभी तक इस फ्रेंचाइजी की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। उन पर काफी दबाव होगा। पंत को टीम ने पिछले साल रिकॉर्ड राशि में अपने साथ जोड़ा था। पर न तो कप्तान और न ही स्टार बल्लेबाज के रूप में वह कोई छाप छोड़ पाए।

कुल मैच	: 7
दिल्ली जीती	: 4
लखनऊ जीता	: 3

मयंक से आस

अक्सर चोटिल रहने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पिछले एक साल में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। लखनऊ को उम्मीद होगी कि वह उस भरोसे पर खरे उतरें जो टीम ने उन पर किया है। तेज गेंदबाज मोहसिन खान भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। प्रिंस यादव ने भी अपनी मध्यम तेज गेंदबाजी से प्रभावित किया है। स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी ने पहले साल में ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी थी और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे।

लखनऊ की बल्लेबाजी मजबूत

गेंदबाजी की तुलना में लखनऊ की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही है। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम आईपीएल की सबसे खतरनाक सलामी जोड़ियों में से है।

नंबर गेम

4 पिछले लगातार मुकाबलों में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने लखनऊ को मात दी है

3 साल से लखनऊ की टीम दिल्ली से जीती नहीं है। पिछली जीत 2023 में मिली थी

3 मुकाबले दोनों ने इकाना स्टेडियम में खेले हैं जिसमें से दो दिल्ली और एक लखनऊ ने जीता है

अभी तक तय नहीं केएल का जोड़ीदार

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सत्र में सात सलामी जोड़ियों को आजमाया लेकिन बात नहीं बनी। इस सत्र में टीम को शीर्षक्रम में स्थिरता की उम्मीद होगी। केएल राहुल पारी का आगाज करेंगे लेकिन उनके साथी कौन होंगे यह अभी तय नहीं है। इसमें पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल या पाथुम निसांका दौड़ में हैं। दिल्ली का मध्यक्रम काफी दमदार है। इसे और मजबूती देने के लिए डेविड मिलर को टीम में जोड़ा गया है।

स्टार्क की खलेगी कमी

चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहला मैच नहीं खेल सकेंगे। टीम को उनकी कमी खलेगी। उनकी गैर मौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रामण का जिम्मा जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी, लुंगी एनगिडी और काइल जैमीसन संभालेंगे। स्पिन का दारोमदार कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव पर होगा। यह दोनों मैच विनर खिलाड़ी हैं। अक्षर गेंद के साथ बल्ले से भी अपनी भूमिका अच्छे से निभाते हैं।

टीमें

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नोर्त्जे, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करुण नायर, साहिल पारख।

अभय और अनाहत को एशियाई स्क्वॉश पुरस्कार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के अभय सिंह को एशियाई स्क्वॉश महासंघ (एएसएफ) ने 2025 का 'उत्कृष्ट पुरुष खिलाड़ी' घोषित किया है। दूसरी ओर, उभरती हुई युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह को लड़कियों के वर्ग (जूनियर) में शीर्ष सम्मान के लिए चुना गया।

टीम भी चुनी गई

विजेताओं की सूची के अनुसार भारतीय लड़कों की टीम को 'पुरुष टीम पुरस्कार' के लिए चुना गया है जिसने मिस्र में आयोजित 2025 विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अभय वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर हैं। वह कई बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुके हैं और एशियाई चैंपियनशिप के विजेता भी हैं। वह उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पिछले साल भारत को पहला 'विश्व कप मिश्रित टीम' खिताब दिलाया था।

अनाहत को भी सम्मान

विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत भी कई बार एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। 2025 में उन्होंने काहिरा में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और वह भारत की स्वर्ण पदक विजेता विश्व कप मिश्रित टीम का भी हिस्सा रही थीं।इससे पहले भारतीय खिलाड़ी 2022 में एएसएफ की वार्षिक पुरस्कार सूची में शामिल हुए थे।

न्यूज़ ब्रीफ

पूर्वा बर्वे चैंपियन

मुंबई। प्रथम वरीय पुणे की पूर्वा बर्वे ने फाइनल में तीसरी वरीयता हासिल श्रेया भोसले को 21-15, 21-12 से पराजित करके योनेक्स सनरॉईज मनोज रामचंद्र मेमोरियल राज्य स्तरीय ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता के महिलाओं का खिताब जीत लिया। नॉर्थ इंडियन एसोसिएशन और जितेश पडुकोण बैडमिंटन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का पुरुषों का फाइनल देव रुपारेलिया और सर्वेश यादव के बीच खेला गया, जिसमें देव रुपारेलिया 21-18, 21-18 से जीत हासिल की।

मुंबई पुलिस टीम विजयी

मुंबई। रोहित पोळ द्वारा बनाए गए शानदार 76 रनों की बदौलत मुंबई पुलिस स्पोर्ट्स क्लब ए टीम ने स्पेस स्पोर्ट्स क्लब को दो विकेट से पराजित करके आरसीएफ डा. बाबासाहेब अंबेडकर कप टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में जीत के साथ शुरुआत की। चेंबूर स्थित आरसीएफ मैदान पर टॉस जीतकर मुंबई पुलिस स्पोर्ट्स क्लब ए टीम ने विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। निर्धारित 20 ओवरों में नौं विकेट पर 162 रनों का स्कोर खड़ा किया।

सूर्यवंशी ने बेखौफ खेल से दबाव बनाया : बांगड़

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि आईपीएल के पहले मैच में वैभव सूर्यवंशी ने जिस तरह विश्व स्तरीय गेंदबाजों को दबाव में ला दिया, वह उसकी खास प्रतिभा और निडर खेल का परिचायक है। पिछले शुक्रवार को अपना 15वां जन्मदिन मनाने वाले सूर्यवंशी ने 15 गेंद में अर्धशतक जड़ा जो लीग का संयुक्त तीसरा सबसे तेज पचासा है। उनकी इस पारी से राजस्थान ने चेन्नई पर शानदार जीत दर्ज की।

पिछले साल आईपीएल शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने सूर्यवंशी ने मैट हेनरी और नूर अहमद जैसे गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। बांगड़ ने कहा, सूर्यवंशी अलग ही खिलाड़ी है। उसने गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ दी। मैट हेनरी और खलील अहमद जैसे गेंदबाजों पर दबाव बनाया। वहीं नूर अहमद जैसे गेंदबाज के लिये भी परेशानी का सबब बना। उसने पंद्रह वर्ष की उम्र में चार बेहतरीन गेंदबाजों पर अपनी बेखौफ बल्लेबाजी से दबाव बनाया। यह उसकी खासियत है और मुझे बहुत पसंद है।

एशियाई मुक्केबाजी में प्रिया की शानदार जीत, जादूमणि हारे

एजेंसी। उलानबटोर

भारत की प्रिया ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को 5-0 से जीत दर्ज की जबकि जादूमणि सिंह जुझारु प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। महिलाओं के 60 किलो वर्ग में प्रिया ने कजाखस्तान की रिम्मा वोलोस्सेंको को 5-0 से हराया। अब उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की चेंग्यू यांग से होगा। जादूमणि को जापान के रिम्मा यामागुची ने 3-2 से हराया। यामागुची ने अस्ताना में हुए टूर्नामेंट में रजत और मुक्केबाजी विश्व कप फाइनल्स में कांस्य पदक जीता था।

हर जगह टेस्ट मुकाबले खेले जाने चाहिए : गांगुली

एजेंसी। कोलकाता

भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों। हालांकि उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर भी पारंपरिक प्रारूप के मैच खेले जा रहे हैं।बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है।

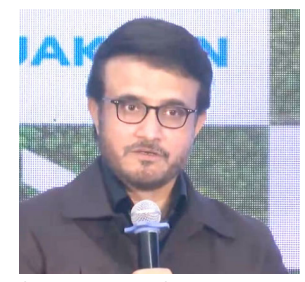

ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।गांगुली ने साथ ही कहा कि ईडन गार्डंस पर 2001 की टीम के मिलने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, हम ईडन पर यह इस महीने की शुरुआत में होना था लेकिन सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी के कारण देर हो गई।

हर प्रारूप के मैच

गांगुली ने मंगलवार को स्पोर्ट्स स्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा, ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट हों लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद टी-20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं। हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिए।

लगातार मैच मिले

गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल में दूसरा मैच होने जा रहा है। वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्तूबर में ही टेस्ट हुआ था। वानखेड़े में आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बीसीसीआई के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (3 जनवरी, 2027) और मुंबई (9 जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जाएगा।पहली बार इस मसले पर बोलते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम हैं।

बॉलीवुड

'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग प्लान में बड़ा बदलाव

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब भारतीय सिनेमा पर भी साफ नजर आने लगा है। एक ओर जहां हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का दुबई शेड्यूल रद्द किया गया, वहीं अब अक्षय कुमार की आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग योजना में भी बड़ा बदलाव किया गया है। सुरक्षा कारणों के चलते मेकर्स ने दुबई की जगह मुंबई में शूटिंग करने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के एक भव्य गाने की शूटिंग दुबई में की जानी थी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसे मुंबई में शिफ्ट कर दिया गया है। इस गाने में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, परेश रावल, लारा दत्ता, दिशा पाटनी और जैकलीन फर्नांडीज शामिल होने वाली है। ऐसे में सभी कलाकारों की तारीखें दोबारा मिलना मुश्किल होने के कारण शूटिंग टालना संभव नहीं था। निर्माताओं ने इसके विकल्प के तौर पर मुंबई में ही भव्य सेट तैयार करने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार, माढ द्वीप, गोल्डन टोबैको स्टूडियो और गोरेगांव स्थित फिल्म सिटी में बड़े पैमाने पर सेट बनाए जाएंगे, ताकि दुबई जैसा माहौल तैयार किया जा सके। फिल्म के निर्देशक अहमद खान ने भी पुष्टि की है कि अब गाने की शूटिंग मुंबई में ही की जाएगी। बताया जा रहा है कि इस गाने की शूटिंग 15 अप्रैल से शुरू होगी और इसमें पूरी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'वेलकम टू द जंगल' एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसे लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। माना जा रहा है कि फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

रिलीज विवाद पर 'पेड्डी' के मेकर्स ने तोड़ी चुप्पी

सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज तारीख को लेकर सोशल मीडिया पर मचे भ्रम के बीच निर्माता एसकेएन ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। एक इवेंट के दौरान फिल्म की नई रिलीज डेट को लेकर हुई गलत घोषणा ने फैंस और फिल्म टीम के बीच असमंजस की स्थिति पैदा कर दी थी। अब निर्माता ने सामने आकर पूरी स्थिति स्पष्ट करते हुए इस चूक की जिम्मेदारी ली है। निर्माता एसकेएन ने बताया कि भारी भीड़ और शोर-शराबे के बीच उनसे यह गलती हुई। दरअसल, लेखक साई राजेश ने उन्हें सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बारे में बताया था, लेकिन भ्रम की स्थिति में एसकेएन ने 26 जून को फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट समझ लिया और मंच से इसकी घोषणा कर दी। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह केवल अटकलें थीं, न कि कोई आधिकारिक जानकारी। निर्माता ने साफ किया कि 'पेड्डी' जैसी बड़ी फिल्म की रिलीज डेट से जुड़ी किसी भी जानकारी की पुष्टि केवल प्रोडक्शन हाउस द्वारा ही की जाएगी। उन्होंने फैंस और फिल्म की टीम से इस गलती के लिए माफी मांगते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की चूक नहीं दोहराई जाएगी। वहीं, साई राजेश ने भी सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ एक ट्वीट का जिक्र किया था, जिसे गलतफहमी में पक्की खबर समझ लिया गया। फिलहाल 'पेड्डी' की आधिकारिक रिलीज डेट 30 अप्रैल 2026 ही बनी हुई है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में इसके टलने की अटकलें भी सामने आई हैं। निर्माताओं की ओर से अब तक किसी बदलाव की पुष्टि नहीं की गई है, जिससे साफ है कि फिल्म की रिलीज को लेकर अंतिम फैसला जल्द ही आधिकारिक रूप से सामने आएगा।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म में शामिल हुए सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी ने 'बाजः ए बर्ड इन डेंजर' और 'बॉर्डर' जैसी फिल्मों में जैकी श्रॉफ के साथ काम किया था। अब वह जैकी के बेटे, अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगे। इस खबर ने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। फैंस भी दोनों सितारों की सहभागिता से खुश हैं। बताया जाता है कि टाइगर के मुख्य किरदार वाली यह एक्शन-थ्रिल फिल्म होगी, जिसका शीर्षक तय होना बाकी है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, निर्माताओं की ओर से फिल्म में सुनील के किरदार को अभी गुप्त रखा गया है, लेकिन वह इसमें एक अहम किरदार के साथ जुड़ रहे हैं। इस एक्शन-थ्रिलर की शूटिंग 10 अप्रैल से मुंबई में शुरू की जाएगी जिसके लिए गोरेगांव और मलाड में भव्य सेट का निर्माण किया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टीम का लक्ष्य जुलाई, 2026 तक शूटिंग पूरी करने का है। बिना नाम वाली फिल्म का निर्देशन सचिन रवि करेंगे, जिन्होंने 2019 में रिलीज रक्षित शेट्टी की फिल्म 'अवने श्रीमननारायण' का निर्देशन करके लोकप्रियता हासिल की थी।

सलमान खान-नयनतारा पहली बार साथ

भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। सुपरस्टार सलमान खान और साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की आगामी एक्शन एंटरटेनर फिल्म में साथ दिखाई देंगे। इस बड़े प्रोजेक्ट को मशहूर निर्माता दिल राजू अपने बैनर श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा था, वहीं अब नयनतारा के लीड एक्ट्रेस के रूप में जुड़ने से इस प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। सलमान अपनी मास अपील और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जाने जाते हैं, जबकि नयनतारा ने अपने अभिनय से दक्षिण भारतीय सिनेमा में खास पहचान बनाई है। ऐसे में दोनों का साथ आना इंडस्ट्री के लिए बेहद खास माना जा रहा है। इस फिल्म की खासियत यह होगी कि इसमें दो अलग-अलग अभिनय शैलियों का संगम देखने को मिलेगा। जहां सलमान का करिश्माई और एंटरटेनिंग अंदाज दर्शकों को आकर्षित करता है, वहीं नयनतारा अपने किरदारों में गहराई और भावनात्मक मजबूती लेकर आती हैं। निर्देशक वामशी पेडिपल्ली इस फिल्म में हाई-वोल्टेज एक्शन के साथ एक मजबूत कहानी और इमोशनल टच पेश करने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े बजट पर तैयार की जाएगी और इसे एक भव्य सिनेमाई इवेंट के रूप में पेश किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। फिलहाल फिल्म के टाइटल और अन्य स्टारकास्ट का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन सलमान खान और नयनतारा की जोड़ी पहले ही सुर्खियों में छा चुकी है और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वॉर ब्रीफ

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की

इस्फहान। अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है।

ईरान ने तुर्किये पर मिसाइल हमले के दावों को झूठा बताया

तेहरान। ईरान ने उन खबरों को पूरी तरह से गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि उसने तुर्किये पर मिसाइलें दागी हैं। ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने कहा कि ये दावे पूरी तरह बेबुनियाद हैं। उन्होंने तुर्किये के विदेश मंत्री हाकन फिदान से फोन पर बात करके कहा कि अगर कोई आरोप है तो दोनों देश मिलकर इसकी जांच कर सकते हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि दुश्मन देश 'फेक या झूठे हमले'करके गलत जानकारी फैला सकते हैं। इससे पहले, तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि NATO ने ईरान की तरफ से दागी गई एक नई मिसाइल को इंटरसेप्ट किया है।

हम मध्यस्थता की किसी कोशिश में शामिल नहीं : कतर

दोहा। कतर ने साफ किया है कि वह अभी चल रही किसी भी मध्यस्थता की कोशिश में शामिल नहीं है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान अपने देश की सुरक्षा पर है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि कतर सभी पक्षों से बातचीत बनाए हुए है। उसने पाकिस्तान की कोशिशों का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी।

इटली का अमेरिका को सैन्य बेस देने से इनकार

रोम। इटली ने अमेरिका को अपने सिगोनेला मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यह बेस सिसिली आइलैंड पर है। अमेरिका यहां विमान उतरना चाहता था, लेकिन इटली ने इजाजत नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के कुछ बॉम्बर विमान इटली के इस बेस पर उतरकर आगे मिडिल ईस्ट जाना चाहते थे। लेकिन इटली को इस प्लान की पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी। अमेरिका ने न तो इटली से इजाजत मांगी और न ही उसके सैन्य अधिकारियों से बात की।

'ईरान में हो चुका सत्ता परिवर्तन'

एजेंसी । वॉशिंगटन

ईरान को लेकर दुनिया की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। इस बयान के साथ ही अमेरिका ने साफ कर दिया है कि अब हालात पहले जैसे नहीं हैं। इस्राइल और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बीच यह बयान ऐसे समय आया है, जब पूरे मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच चुका है और हालात तेजी से बदल रहे हैं। पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि ईरान में अब नया शासन है और उसे पहले से ज्यादा समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए तैयार हैं और उसकी शर्तें ईरान को पहले से पता हैं। लेकिन उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर ईरान इन शर्तों को नहीं मानता, तो अमेरिकी सेना और ज्यादा ताकत के साथ हमला जारी रखेगी।

क्या ईरान में सच में सत्ता परिवर्तन हुआ है?

हेगसेथ के मुताबिक, पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को सत्ता दी गई है। अली खामेनेई करीब चार दशकों तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे। हालांकि मोजतबा खामेनेई अब तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या वास्तव में नया शासन पूरी तरह स्थापित हो चुका है या स्थिति अभी भी अस्थिर है।

समझौता करो वरना बड़े हमले होंगे : यूएस रक्षामंत्री

अमेरिका सैन्य कार्रवाई और तेज करेगा

हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान समझौता नहीं करता है, तो अमेरिकी सेना और ज्यादा आक्रामक कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों में कमी आई है। वहीं अमेरिका ने 200 से ज्यादा डायनामिक स्ट्राइक किए हैं। इन हमलों में रियल टाइम जानकारी के आधार पर नए लक्ष्य तय किए गए और उन्हें निशाना बनाया गया।

नाटो को लेकर क्या बोले हेगसेथ?

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने नाटो को लेकर कहा कि इस संगठन के भविष्य का फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे और यह निर्णय ईरान में चल रहे अभियान के खत्म होने के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि अमेरिका के सहयोगी देश कितनी मदद करने को तैयार हैं। हेगसेथ ने तंज कसते हुए कहा कि कई देशों ने अतिरिक्त मदद या सैन्य सहयोग देने में हिचक दिखाई।

जमीनी हालात क्या संकेत दे रहे हैं?

हेगसेथ के अनुसार अमेरिकी हमलों से ईरानी सेना का मनोबल टूट रहा है। उन्होंने कहा कि कई कमांड बंकर तबाह कर दिए गए हैं और कई नेता छिपने को मजबूर हो गए हैं। बिजली, पानी और कम्युनिकेशन जैसी सुविधाएं प्रभावित हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे ईरानी सेना में भगदड़ और निराशा बढ़ रही है। अमेरिका का कहना है कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और आने वाले दिन बेहद अहम होंगे।

ट्रंप की वॉर्निंग पर भड़का ईरान

तेल से भरे जहाज पर दाग दिया ड्रोन

एजेंसी । तेहरान

तेहरान ने मंगलवार को दुबई के पास पूरी तरह से भरे तेल टैंकर शिप पर हमला किया और उसे जला दिया। दुबई के अधिकारियों ने कहाकि ड्रोन हमले के बाद कुवैत का झंडा लगे अल-सल्मी जहाज पर लगी आग को कंट्रोल कर लिया गया है। अच्छी बात यह है कि तेल का कोई रिसाव नहीं हुआ और चालक दल को कोई चोट नहीं आई। जहाज के मालिक कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने कहाकि हमले में जहाज क्षतिग्रस्त हो गई थी। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद होर्मुज स्ट्रेट में यह सबसे ताजा घटना है। एलएसईजी आंकड़ों के मुताबिक, जहाज चीन के किंगदाओ की ओर बढ़ रहा था। निगरानी सेवा टैंकर ट्रैकर्स डॉट कॉम के मुताबिक इसमें 1.2 मिलियन बैरल सऊदी कच्चा तेल और 800,000 बैरल कुवैती कच्चा तेल था। अल-सल्मी संभवतः टारगेट नहीं था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहाकि उन्होंने खाड़ी में एक कंटेनर जहाज को टारगेट किया था।

किसी भी आक्रमणकारी के काट देंगे पैर : ईरान

तेहरान में इस्लामी रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खातम अल-अनबिया मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोलफाघरी ने कहा, ईरान की सशस्त्र सेनाएं देश पर हमला करने वाले किसी भी हमलावर के पैर काट देंगी। प्रेस टीवी के मुताबिक, रूस के चेचन लड़ाके भी जरूरत पड़ने पर ईरान में तैनाती के लिए तैयार हैं, खासकर अगर अमेरिका जमीनी हमला करता है।

होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से ईरान वसूलेगा 'टोल टैक्स'

अमेरिकी और इजरायली जहाजों पर लगेगा बैन

एजेंसी । तेहरान

ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजना को मंजूरी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, योजना में इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का प्रावधान है। इस योजना में जलडमरूमध्य की सुरक्षा,

जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, वित्तीय व्यवस्था और रियाल आधारित टोल सिस्टम लागू करने जैसे अहम बिंदु शामिल हैं।

अमेरिकी-इस्राइली जहाजों को नहीं मिलेगी होर्मुज से गुजरने की अनुमति

इसके अलावा, इस योजना में अमेरिकी और इस्राइली जहाजों के गुजरने पर रोक लगाई गई है। साथ ही, ईरान के खिलाफ एकतरफा प्रतिबंध लगाने वाले देशों के जहाजों को भी इस मार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं होगी। इसमें ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने की बात भी कही गई है।

दुनियाभर में इंटरनेट ठप होने का खतरा

होर्मुज में बिछी केबल्स को नुकसान की आशंका

एजेंसी । वॉशिंगटन

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित होने से दुनियाभर में एनर्जी क्राइसिस के बाद अब इंटरनेट ठप होने का खतरा है। इसकी वजह यह है कि होर्मुज रूट से न केवल दुनिया का 20% कच्चा तेल और 25% LNG गुजरती है, बल्कि इस रास्ते के

नीचे इंटरनेट केबल्स भी बिछीं हैं। अगर इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो भारत समेत पूरी दुनिया में इंटरनेट की स्पीड स्लो हो सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह इलाका सिर्फ एनर्जी चोकपॉइंट नहीं, बल्कि एक डिजिटल चोकपॉइंट भी है।

समुद्र के नीचे से गुजरता है 97% ग्लोबल डेटा

अक्सर लोगों को लगता है कि इंटरनेट सैटेलाइट के जरिए चलता है, लेकिन हकीकत अलग है। दुनिया का करीब 95 से 97% डेटा फाइबर ऑप्टिक केबल्स के जरिए ट्रांसफर होता है। ये केबल्स समुद्र के नीचे बिछी होती हैं। भारत को यूरोप, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से जोड़ने वाली मुख्य केबल्स इसी रूट के पास से गुजरती हैं।

बीजेपी का चुनावी घोषणापत्र जारी

केरलम : राजग ने मुफ्त सिलेंडर, बुजुर्गों-महिलाओं को 3000 रुपये पेंशन का वादा किया

असम : भाजपा के घोषणापत्र में 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' से निपटने का वादा

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने दो महत्वपूर्ण राज्यों— केरलम और असम— के विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र (संकल्प पत्र) जारी किए। जहाँ केरलम में पार्टी ने 'कल्याण कारी योजनाओं' और 'पेंशन' पर जोर दिया है, वहीं असम में 'अवैध घुसपैठ' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है।

केरल में बीजेपी का घोषणा पत्र

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने केरलम विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें जरूरतमंद महिलाओं और 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को आर्थिक सहायता, गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का वादा किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने यहां राजग के एक कार्यक्रम में यह घोषणा पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि गरीब और बीपीएल परिवारों की प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये के मासिक रिचार्ज वाला भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड दिया जाएगा, जिसका उपयोग वे दवा दुकानों और किराना दुकानों पर कर सकती हैं। इसके अलावा गरीब परिवारों की महिला मुखिया, विधवाओं और 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह 3,000 रुपये की कल्याण पेंशन दी जाएगी।

गरीब परिवारों को एक-एक मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का वादा

घोषणा पत्र के अनुसार, हर साल ओणम और क्रिसमस के दौरान गरीब परिवारों को एक-एक मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। घोषणा पत्र में देवस्वोम बोर्ड का पुनर्गठन करने का भी वादा किया गया है ताकि सबरीमाला, गुरुवायूर और अन्य सभी पूजा स्थलों का संरक्षण कर मंदिर प्रबंधन में श्रद्धालुओं की भागीदारी बढ़ाई जा सके। राजग के घोषणा पत्र में कहा गया है कि वह सबरीमाला सोना चोरी मामले में समयबद्ध सीबीआई जांच के माध्यम से भ्रष्टाचार का खात्मा करेगा।

राज्य की जनता बदलाव चाहती है : नितिन नवीन

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पिछले कई सालों से केरलम की जनता के साथ खेल खेला जा रहा है। जनता अब बदलाव चाहती है। उन्हें भ्रष्टाचार मुक्त और विकासोन्मुखी सरकार चाहिए और केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है। भाजपा नेता ने अटिंगल में एक रोड शो के दौरान लोगों से विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने माकपा और कांग्रेस के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया।

असम में बीजेपी का घोषणा पत्र

भाजपा के संकल्प पत्र में 31 प्रमुख वादों को शामिल किया गया है, जिसमें सबसे बड़ा जोर 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' को समाप्त करने के लिए प्रभावी कानून बनाने पर दिया गया है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा कब्जा की गई हर इंच जमीन वापस ली जाएगी और 'मिशन वसुंधरा' के तहत वास्तविक नागरिकों को भूमि अधिकार दिए जाएंगे। इसके साथ ही, आप्रवासी अधिनियम 1950 को सख्ती से लागू कर अवैध प्रवासियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया को तेज करने का वादा किया गया है।

UCC लागू करने और रोजगार का वादा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्पष्ट किया कि सत्ता में वापसी के तीन महीने के भीतर राज्य में समान नागरिक संहिता (UCC) लागू की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि इसे जनजातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना लाया जाएगा। इसके अलावा, युवाओं के लिए दो लाख सरकारी नौकरियां देने और 'मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान' के माध्यम से उद्यमिता के नए अवसर पैदा करने की योजना है। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लिए भी बड़े ऐलान किए गए हैं, जैसे 'अरुणोदय' योजना की राशि बढ़ाकर 3,000 करना।

विकास के लिए 5 लाख करोड़ का निवेश और बाढ़ मुक्ति

राज्य को आर्थिक महाशक्ति बनाने के उद्देश्य से भाजपा ने 'असम गति शक्ति मास्टर प्लान' के तहत 5 लाख करोड़ के निवेश का खाका पेश किया है। साथ ही, असम की सबसे बड़ी भौगोलिक समस्या 'बाढ़' से निपटने के लिए 18,000 करोड़ के बजट के साथ 'बाढ़ मुक्त असम मिशन' शुरू करने का संकल्प लिया गया है। निर्मला सीतारमण ने विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने पिछले एक दशक में वह विकास करके दिखाया है जो कांग्रेस 60 वर्षों में नहीं कर सकी।

अब कानूनन आंध्र प्रदेश की राजधानी बनेगी अमरावती

लोकसभा में बुधवार को पेश होगा बिल

एजेंसी । अमरावती

आंध्र प्रदेश की राजधानी के भविष्य को लेकर वर्षों से चल रहा सियासी और कानूनी घमासान अब अपने अंतिम मुकाम पर पहुंच गया है। टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की योजना के मुताबिक, 1 अप्रैल को लोकसभा में 'आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया जाएगा। अमरावती को कानूनी तौर पर आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी घोषित करना ही इस बिल का मकसद है। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, इसके बाद राज्य की राजधानी को लेकर चल रहा हर तरह का कानूनी असमंजस हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। एनडीए सरकार का विजन है कि अमरावती विश्व स्तरीय शहर बने।

क्या-क्या होगा बदलाव?

दरअसल, यह विधेयक 'आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014' में संशोधन के लिए लाया जा रहा है। इस नए संशोधन बिल के जरिए कानून में एक नई लाइन जोड़ी जाएगी। उसमें लिखा होगा कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश की नई राजधानी होगी। वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना बना था। उस वक्त कानून में एक व्यवस्था की गई थी कि हैदराबाद अधिकतम 10 वर्ष के लिए ही दोनों राज्यों की साझा राजधानी रहेगा। इसके बाद हैदराबाद पूरी तरह तेलंगाना का हिस्सा बन जाएगा। आंध्र प्रदेश को अपनी एक नई राजधानी बनानी होगी। हालांकि, कानून में अमरावती के नाम का सीधा जिक्र नहीं था। बाद में राजनीतिक विवाद खड़े हुए। अब इसी कमी को दूर किया जा रहा है।

विधानसभा से पास हो चुका है प्रस्ताव

28 मार्च को आंध्र प्रदेश विधानसभा ने अमरावती को इकलौती राजधानी बनाने के समर्थन में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सदन में प्रस्ताव रखा था। इसके बाद इस प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा गया था। विधानसभा में सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी है। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई ताकत अब राजधानी को यहां से हटा या बदल नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने राज्य की जनता को भरोसा दिलाया है कि अमरावती को एक शानदार 'ब्लू-ग्रीन सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा।

टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। टेनिस के महान खिलाड़ी लिएंडर पेस मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भाजपा मुख्यालय में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। अपने शानदार करियर से भारतीय टेनिस की कई पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले लिएंडर पेस अब भाजपा के जरिए अपनी नई राजनीतिक पारी खेलेंगे। वह फिलहाल चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। 51 वर्ष के पेस ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा से जुड़ने का फैसला किया। गौरतलब है कि वह 2021 में बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे और 2022 गोवा चुनाव में प्रचार भी किया था। भाजपा में शामिल होने के बाद पेस ने कहा कि यह उनके जीवन का बड़ा दिन है। भाजपा ने उनको देश के लोगों और युवाओं की सेवा करने का जो मौका दिया है।

बंगाल में फर्जी वोटरों से लोकतंत्र पर खतरा : सीएम बनर्जी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) को पत्र लिखकर राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है, जिससे असली वोटरों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

फर्जी वोटरों का आरोप

ममता बनर्जी ने अपने पत्र में कहा कि बंगाल में लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ एक बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग हजारों फर्जी फॉर्म-6 आवेदन जमा कर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह की रणनीति पहले महाराष्ट्र और दिल्ली में भी अपनाई गई थी।

एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग की SIR प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी भी 60 लाख से अधिक वास्तविक मतदाता जांच प्रक्रिया में फंसे हैं, जबकि बड़ी संख्या में फर्जी आवेदन तेजी से स्वीकार किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के कारण अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिसे उन्होंने बेहद चिंताजनक बताया।

केंद्रीय प्रशासन में फेरबदल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए शीर्ष स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया गया है और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें सबसे प्रमुख नाम चंचल कुमार का है। बिहार कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी चंचल कुमार को सूचना और प्रसारण मंत्रालय का नया सचिव नियुक्त किया गया है। चंचल कुमार इससे पहले पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (DoNER) में सचिव के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।

पीएम मोदी ने रेल प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन

एजेंसी । अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वाव-थराड़ में हिमतनगर-खेड़ब्रह्मा गेज लाइन अपग्रेडेशन परियोजना (54.83 किमी) का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने खेड़ब्रह्मा-हिमतनगर-असरवा ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इस परियोजना से क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ-साथ यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए

डीसा का स्थान बेहद अहम है और यहां एयरबेस का निर्माण अत्यंत आवश्यक था। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह परियोजना वर्षों तक फाइलों में दबाकर रखी गई। उन्होंने कहा, शायद उस समय दिल्ली की सत्ता संभालने वालों के मन में गुजरात के प्रति कोई अकारण विरोध था।'